Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०१७ • वर्ष ६८ • अंक ०८

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला सम्मेलन भवन में झंडोतोलन करते हुए।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने की। चित्र में भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, श्री रामअवतार पोद्दार आदि परिलक्षित हैं।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत का गठन
- सम्पादकीय - पाठकों के सुझाव आवश्यक
- रपट - मंत्रणा बैठक
- रपट - स्वतंत्रता दिवस समारोह
- रपट - कार्यकारिणी समिति की बैठक
- गोष्ठी - पंचहीन समाज बढ़ते तलाक
- गोष्ठी - धर्म एवं सामाजिक मूल्य
- प्रांतीय समाचार
- आलेख - क्या कॉकटेल पार्टी से व्यापार की प्रगति होती है?
- आलेख - समाज का उल्टा रथ

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पुनर्गठित

नवमनोनीत अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया एवं महामंत्री श्री अमर बंसल (दायें)

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

समाज विकास

◆ अगस्त २०१७ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०८

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** पाठकों के सुझाव आवश्यक	३
• **चिट्ठी आई है**	४
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत का गठन – एक महत्वपूर्ण पहल	५
• **रपट** - मंत्रणा बैठक	९
• **रपट** - स्वतंत्रता दिवस समारोह	१०
• **रपट** - कार्यकारिणी समिति की बैठक	१२
• **गोष्ठी** - पंचहीन समाज बढ़ते तलाक	१४
• **गोष्ठी** - धर्म एवं सामाजिक मूल्य	१५
• प्रान्तीय समाचार	१६
• समाचार सार	२१
• **आलेख : डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** क्या कॉक-टेल पार्टी से व्यापार की प्रगति होती है?	२३
• **आलेख : शिव कुमार लोहिया** समाज का उल्टा रथ	२५
• विविध – कविता	२६
• नए सदस्यों का स्वागत	३१

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

संपादक : संतोष सराफ ◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा

सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

पाठकों के सुझाव आवश्यक

– सन्तोष सराफ

वर्तमान सत्र में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन में गतिविधियों की सरगर्मी बनी रहती है। सम्मेलन के कार्यक्रमों के प्रति जागरुकता बढ़ाने एवं उसके पक्ष में जनमानस तैयार करने की भूमिका समाज विकास निभाता आ रहा है। यह गतिविधियाँ अनेक क्षेत्रों में चल रही हैं। आपने देखा होगा कि शनैः शनैः समाज विकास के कलेवर में भी बदलाव आ रहा है। मारवाड़ी समाज विभिन्न क्षेत्रों में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कई क्षेत्रों में हमारी सफलता अन्यों के लिये मिसाल बन जाती है। हमारा उद्देश्य है उन सफलताओं को समाज विकास में उचित स्थान दिया जाय ताकि औरों के लिये वे प्रेरणास्त्रोत का काम कर सकें। इस संदर्भ में मैं सभी समाजबंधुओं से अनुरोध करना चाहूँगा कि समाज में किसी भी उपलब्धि या विशिष्टता से वे अवगत हों या उनकी जानकारी में आवे तो कृपया उसका विवरण हमें भेजने का कष्ट करें।

कार्यकारिणी समिति में यह निर्णय लिया गया था कि प्रादेशिक सम्मेलन अपनी गतिविधियों के समाचार सीधे केन्द्रीय कार्यालय में भेजें ताकि उन्हें समाज विकास में स्थान दिया जा सके। इस विषय में हम सचेष्ट हैं कि सभी प्रदेशों के समाचार एवं सूचनाओं को अधिक से अधिक समाज विकास में स्थान मिले। सभी प्रादेशिक इकाईयों से इस विषय में आवश्यक कार्यवाही करने का निवेदन है।

समाज विकास सम्मेलन का मुखपत्र है। उसे सुरुचिपूर्ण एवं पठनीय बनाने के लिये सभी पाठकों के सुझाव आमंत्रित हैं। जिस प्रकार साहित्य समाज का दर्पण होता, उसी प्रकार संस्था का मुखपत्र, संस्था का दर्पण होता है। समाज विकास की गुणवत्ता बढ़ाने के लिये हम सदैव प्रयासरत हैं। इस विषय में हमें अपनी राय से अवगत करायें।

जय समाज, जय राष्ट्र। ★★★

चिट्ठी आई है

Warm greetings to you and all members on the occasion of Independence Day.

I had very recently joined the Samity inspired by your few senior members. I enjoyed the privilege to attend the sangoshti held at Federation hall and was awfully delighted to hear the motivational views of the speakers and saw the warmness of the members attending the same. My good wishes to you and Samity to hold such discussions periodically.

We are shifting towards e-age and had been striving hard to save ecological Imbalances by using minimum papers by using electronic methods of communication. I would earnestly request you and the board to very kindly resort to e-communications by mails, SMS, etc to save both money and Natural resources and to be more effective. This has been implemented by maximum associations and many more to follow soon.

A society run on donation and contributions should be fast enough to adopt such imperative measures. I wish the board will use their wisdom in this regard.

– Sharat Jhunjhunwala, Kolkata

Efforts are made to communicate in ways that save paper; however, the same are not always feasible owing to various reasons. Nonetheless, your views are appreciated and welcome. – Editor

---

मायड़ भासा रौ असली रूप

समाज विकास रा जून १७ रा अंक मांय राजस्थानी भासा रै पेटे नारायण प्रसाद कोटरीवाला (भागलपुर) रा विचार वाच्या इण बाबत जवाब माय म्हारा विचार पींयानै परुसु चोखो अर स्वाद लागै तो जीमजौ -

मायड़ भासा रौ असली अर सुद्ध रूप ठेठ गांवां री लोक भासा में जीवती है। नारायणजी ने राजस्थानी अर हिन्दी री खीचड़ी स्वाद लागै। पण औ भेलभावा वाळा रूप में असली रूप छिप जावै। वींरौ सुद्ध रूप नै मीठास वींरा मौलिक मांय है। गांवां री मूल भासा मिट जावैला तो भासा रौ पोकाळौ व्है जावैला। पछै हिन्दी नै राजस्थानी मांय कांई फरक रैवेला, वा राजस्थानी नीं हिन्दी इज व्हैला। दूजा प्रांतां री भासा ज्यूं के गुजराती, पंजाबी, मराठी, कन्नड़, आद ने देखो बीमें दूजी भासा रा सवदां नै ठौड़ मिलै कांई? राजस्थानी भांय केई बोलियां हैं - मेवाड़ी, मारवाड़ी, गोडवाड़ी, हाडौती, आदा वीं सगली बोलिया रा सबदां ने पण, अंगेजणा चाइजै ताकि भासा मांय अेकरुपता बणी रैवे। औ सगला आप आपरी बोली मांय लिखवा री खैंचल करैला तो राजस्थानी रौ कांई हवाल व्हैला। जकौ दिसावर बिराजै वीयानै वार-वार भणवा सूं वीयानै मायड़ भासा रै असली रूप रा दरसण व्हैला, मौलिक सबदा री पिछाड़ व्हैला। उणसूं इज मारवाड़ी री सही औ खाण व्हैला। वीयांनै भूल्यौडी मायड़ भासा ने पाछी सीकणरौ औसर मिलैला। मायड़ भासा अपणी अेक आंख है तो राष्ट्र भासा दूजी आंख है, संस्दिक्रत सिवजी रा तीजा नैणज्यूं है। राजस्थानी लिखती राणं सवदां रै उच्चारण मुजब देवनागरी लिपि मांय ढलणा जोइजै। भासा सूं आपणी संस्कृति नै इतियास जुड़ियौ पकौ है। भासा खतम व्है जावैला तो वी रै साथेऔ सैंग खतम।

व्है जावैला अर आपणी पिछाण तकात मेट व्है जावैला। नारायणजी रै आलेख मांय मोकला हिन्दी रा सब्द वापरीज्या है ज्यूं क' प्रशंसा, संपर्क, दिक्कत, आनन्द आद।

साचौ आनंद तो सही माखड भासा पढ़ण मे इज आवैला मायड़ भासा किणने कैवे? जिकौ मां बोले, जिण-भासा में तोतली बोली में टूटा फूटा सबद झरिया, हिंगण्वू होठा पर सबद जळम्या पण अहम्हे तो मां ई हिन्दी ने अंगरेजी बोले पछै टावर राजस्थानी कठा सूं सीखै। घर में ई राजस्थानी कोनी बोले' महाराष्ट्र नै कर्नाटक आद में तो मराठी ने कन्नड़ मे समय लैवणनै विधायकां नै सांसदा नै मजबूर करै। स्कूलां मायं सगै प्रांतां मायं मायड़ भासा मांय भणाई व्है। म्हां इस्पा सपूत हा जको खुद ई मायड़ भासा री गिनर ई नी करां। संविधान री आठवीं सूची में हाल तांई नी जुड़ाय सकिया कारण अेको कोनी जन आंदोलन कोनी कारण नारायण जी जिसा विचारां रा घणखश है।

– अर्जुन सिंह शेखावत, पाली (राज.)

अध्यक्षीय

मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत का गठन – एक महत्वपूर्ण पहल

– प्रह्लाद राय अगरवाला

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वर्तमान सत्र के प्रारंभ में ही 'संगठित समाज–सशक्त आवाज' का नारा स्वीकृत हुआ था। यह नारा अपने में एक व्यापक अर्थ समेटे हुए है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरे देश में विविध प्रकार से प्रयास किये जा रहे हैं। इस दिशा में प्रथम लक्ष्य है सम्मेलन की सदस्य संख्या को बढ़ाना। हर्ष का विषय है कि इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आपको यह जान कर हर्ष होगा कि केन्द्रीय कार्यालय से वर्तमान सत्र में अब तक १३८ विशिष्ट संरक्षक, १७ संरक्षक एवं १९१ आजीवन सदस्य बनाये गये हैं। हमारे संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका का इस कार्य में विशेष सहयोग रहा है। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। प्रादेशिक शाखाओं से ७१ संरक्षक, १०९४ आजीवन, ४८ विशिष्ट एवं ८९३ साधारण सदस्य बनाये हैं। इसमें से झारखण्ड प्रांत से कुल ४१३ एवं बिहार से कुल ३७३ नये सदस्य बने हैं।

गत जून माह में राँची में आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठक में वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध पर प्रस्ताव पारित किया गया। सभी प्रांतों से इस विषय में सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ मिल रही हैं। यह एक उत्साहजनक बात है। इस विषय में शालीनतापूर्वक एवं प्रेमपूर्वक जनमानस उभर कर आ रहा है। मैं समाज विकास के माध्यम से सभी समाजबंधुओं से अपने वैवाहिक कार्यक्रमों मे मद्यपान परिवेषण नहीं करने का सविनय आग्रह करता हूँ। पिछले दिनों समाज के अग्रणी उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला, श्री बृजमोहन खेतान, श्री रघुनंदन मोदी एवं श्री महेन्द्र कुमार जालान आदि के पहल पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिला था। सभी ने वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध अभियान को समयोचित कहा एवं अपना पूर्ण समर्थन भी दिया। उनसे बैठक के उपरांत मारवाड़ी समाज में बढ़ते हुए विसंगतियों के मद्देनजर मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत का गठन किया गया। इस महा पंचायत के अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया होंगे। डॉ. कानोड़िया सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। इस पंचायत के सलाहकार के रूप में श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला, श्री बृजमोहन खेतान एवं श्री रघुनंदन मोदी अपनी सेवायें प्रदान करेंगे। समाज एवं सम्मेलन के लिये यह एक महती उपलब्धि है। इस प्रकार सम्मेलन समाज के सभी वर्गों के हित में अपनी उपादेयता में वृद्धि करता रहेगा।

बंधुओं, सम्मेलन इसी प्रकार संस्कार-संस्कृति चेतना, रोजगार सहायता, वैवाहिक परिचय, गोष्ठियों एवं अन्य कार्यक्रमें से समाज के हित के लिये प्रयासरत है। हमारे लिये सदस्यता अभियान में सभी समाजबंधुओं का सहयोग अपेक्षित है। हमारी आवाज तभी सुनी जायेगी, जब हमारा संगठन मजबूत होगा। समाज निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है। हमारे खामियों को दूर करके हम इसकी गति और बढ़ा सकते हैं। स्वाधीन होने के १२ वर्ष पहले सम्मेलन की स्थापना हुई थी। इस दौरान सम्मेलन ने अनेक क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की है। वास्तव में सम्मेलन हमें अपने खामियों की पराधीनता से निकालता है। साथ ही साथ हमारी विशिष्टताओं के अधीन रहकर हमें जीवन को प्रगति की राह पर चलना है। हालाँकि राजनैतिक दृष्टि से हम ७० वर्ष पहले स्वाधीन हो गये, पर सामाजिक दृष्टि से अभी बहुत कुछ करना है। सम्मेलन सामाजिक कुरीतियों, विसंगतियों के निवारण में अपने स्थापना-काल से ही सक्रिय भूमिका निभाता आ रहा है। इस हेतु सम्मेलन की प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर सभी समाजबंधुओं को अनेकानेक बधाईयाँ!

स्थापित १९३५ फोन: (०३३) ४००४ ४०८९ ई-मेल: aimf1935@gmail.com वेबसाईट: www.marwarisammelan.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd. under W.B. Societies Act XXVI of 1961)
४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

प्रमुख उद्देश्य
समाज सुधार, समरसता, राजनैतिक चेतना एवं राष्ट्रीय एकता

राष्ट्रीय अध्यक्ष
प्रह्लाद राय अगरवाला
9830079111

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
संतोष सराफ
9830021319
सुरेन्द्र लाठ
9437488822
राज कुमार पुरोहित
9821243352
ओंकारमल अगरवाला
9435168386
कमल नोपानी
9431018530
अनिल कुमार जाजोदिया
9415201641

राष्ट्रीय महामंत्री
शिव कुमार लोहिया
9830553456

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
दिनेश कुमार जैन
9831004542
दामोदर प्रसाद बिदावतका
9331015088

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
संजय हरलालका
9804154115

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
कैलाशपति तोदी
9830044079

प्रादेशिक शाखा सम्मेलन
बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंग, उत्कल, पूर्वोत्तर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक एवं गुजरात।

सम्मेलन भवन
२५ए, राजा राममोहन राय सरणी
(अम्हर्स्ट स्ट्रीट)
कोलकाता-७०० ००९
फोन :(०३३) २३५० ९९२९

Contribution exempted under Section 80G of Income Tax Act

अ.भा.मा.स./३४/२०१७-१८ *२१ अगस्त २०१७*

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सभी सदस्यों की सेवा में

प्रिय सदस्य,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा शुक्रवार, १५ सितम्बर २०१७ को सायं ५ बजे सम्मेलन कार्यालय सभागार (डकबैक हाउस, ४१ शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०० ०१७) में निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गयी है।

सभा की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला करेंगे।

सभी सदस्य सादर आमंत्रित हैं।

भवदीय,

(शिव कुमार लोहिया)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषय:

१. *महामंत्री की रपट।*
२. *पिछली बैठक का कार्यवृत्त पारित करना।*
३. *सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के आय-व्यय का लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र, जो लेखा परीक्षकों द्वारा जाँचा गया है, को स्वीकृत करना।*
४. *सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के क्रियाकलापों का प्रतिवेदन प्राप्त करना और उस पर चर्चा करना।*
५. *लेखा परीक्षक की नियुक्ति करना।*

विशेष:

१. *वार्षिक साधारण सभा की सूचना की प्रति सहित वित्तीय वर्ष २०१६-१७ का वार्षिक लेखा-जोखा तथा संतुलन पत्र एवं गत बैठक के कार्यवृत्त की प्रतियाँ केन्द्रीय एवं सभी प्रादेशिक सम्मेलनों के कार्यालय में उपलब्ध हैं, इच्छुक सदस्य वहाँ से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसे सम्मेलन के वेबसाईट www.marwarisammelan.com पर भी देखा जा सकता है या ई-मेल लिखकर सम्मेलन के केन्द्रीय कार्यालय से मंगवाया जा सकता है।*

२. *वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के आय-व्यय के लेखा-जोखा के बारे में अगर किसी सदस्य को कोई जानकारी प्राप्त करनी हो तो कृपया ०७ सितम्बर २०१७ तक लिखित तौर पर (सुविधानुसार पत्र या ईमेल द्वारा) केन्द्रीय सम्मेलन में भिजवाने का कष्ट करें।*

पंजीकृत कार्यालय: १५२बी (दूसरा तल्ला), महात्मा गांधी रोड, कोलकाता-७०० ००७
फोन : (०३३) २२६८ ०३१९

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की मंत्रणा बैठक

सामाजिक परिवर्तन के लिए मन-परिवर्तन जरूरी : प्रह्लाद राय अगरवाला

"किसी भी सामाजिक परिवर्तन के लिए यह आवश्यक है कि समाज उस परिवर्तन की आवश्यकता स्वीकार करे, अपने मन को परिवर्तित करे और समाज का हर वर्ग - बुजुर्ग, महिलायें एवं युवक-युवतियाँ, सभी साथ आयें। यह बात सभी कार्यक्रमों पर भी लागू होती है।" ये विचार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने गत ११ अगस्त २०१७ को कोलकाता स्थित सम्मेलन सभागार में आयोजित मंत्रणा बैठक में व्यक्त किए।

सम्मेलन स्थानीय सामाजिक संस्थाओं के साथ मंत्रणा बैठकें आयोजित करता है जिनमें सामाजिक विषयों पर गहन विचार-विमर्श होता है और समाज के समक्ष समस्याओं और चुनौतियों से पार पाने हेतु रणनीति पर चर्चा होती है। ज्ञातव्य है कि सम्मेलन की सर्वोच्च नीतिनिर्धारक अखिल भारतीय समिति की गत १८ जून २०१७ को राँची में आयोजित एक बैठक में पूरे राष्ट्र से एकत्रित प्रतिनिधियों ने वैवाहिक समारोहों में मद्यपान पर रोक से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। ११ अगस्त को आयोजित मंत्रणा बैठक में यही विषय विचार-विमर्श का मुख्य बिन्दु था।

बैठक में सबका स्वागत करते हुए अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने कहा कि सम्मेलन का यह मानना है कि 'वैवाहिक समारोहों' में मद्यपान निषेध जैसे सामाजिक परिवर्तन मन-परिवर्तन के माध्यम से ही लाये जा सकते हैं। इसलिए सम्मेलन यह चाहता है कि बिना किसी प्रकार की कटुता पैदा किए, आपसी विचार-विमर्श से और अपने युवक-युवतियों को इस विषय पर सचेत कर, यथोचित मार्गदर्शन कर, इस कुरीति पर काबू पाया जाये।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कहा कि वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान का बढ़ता प्रचलन एक ज्वलंत सामाजिक विषय है जिस पर नियंत्रण के लिए हमें समान विचार वाले सभी लोगों को साथ लेकर, सोच-विचार कर कार्यक्रम बनाना चाहिए और उस पर पूरी सक्रियता और विश्वास के साथ काम करना चाहिए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि समयान्तर में समाज के समझ चुनौतियाँ बदली हैं और हमें समय के अनुसार अपनी प्राथमिकताएँ तय करनी होंगी। वैवाहिक समारोहों में मद्यपान के विषय पर उन्होंने कहा कि इसका धार्मिक पहलू भी महत्वपूर्ण है। अपने वैवाहिक समारोहों में हम अपने देवी-देवताओं-पितरों को आमंत्रित करते हैं। ऐसे मौकों पर मद्यपान उनका भी अपमान है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि आवश्यकता है कि हम यथोचित प्रचार-प्रसार के माध्यम से इस विषय पर जागरूकता पैदा करें। खासकर समाज के तरूण-तरूणियों, युवक-युवतियों को इस विषय पर सचेत तथा आवश्यकतानुसार शिक्षित करें, ताकि हमारा समाज इस कुप्रवृति पर अंकुश लगा सके।

किशनगढ रेनवाल नागरिक परिषद के मंत्री **श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** ने सम्मेलन को इस सामयिक कदम हेतु साधुवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमें ध्यान रखना होगा कि इसके लिए मानस कैसे तैयार हो। इसके लिए आवश्यक है कि हमारी कथनी और करनी समान हो।

सम्मेलन की पूर्व कोलकाता शाखा एवं बांगड़ एवेन्यू संसद के अध्यक्ष **श्री सुदेश अग्रवाल** ने कहा कि सम्मेलन की यह पहल बहुत सटीक और समाजोपयोगी है। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को समाज का भय था जो अब नहीं रहा। अपनी सभ्यता-संस्कृति की रक्षा के लिए यह आवश्यक है कि हम कोई काम करने के पहले यह सोचें कि इससे समाज में क्या संदेश जाएगा।

(शेष पृष्ठ ११ पर)

मारवाड़ी सम्मेलन भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह

जरूरतमंद लोगों की शिक्षा और स्वास्थ्य में सहयोग करना हमारा धर्म और कर्त्तव्य : प्रह्लाद राय अगरवाला

"स्वतंत्रता के बाद हमारे राष्ट्र का आर्थिक विकास हुआ है, फिर भी समाज का बड़ा हिस्सा आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। ऐसे में यह हमारा धर्म और कर्त्तव्य है कि हम शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में इनके सहयोग हेतु यथासम्भव सहयोग करें।" ये विचार हैं कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** के जो उन्होंने राजा राममोहन राय सरणी (अम्हर्स्ट स्ट्रीट), कोलकाता स्थित सम्मेलन भवन में १५ अगस्त २०१७ को

आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में व्यक्त किए। श्री अगरवाला ने अपने वक्तव्य में संस्कारों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमारी अगली पीढ़ी प्रतिभावान है और यदि हम उन्हें तार्किक ढ़ंग से अपनी सभ्यता-संस्कृति एवं परम्पराओं के विषय में शिक्षित करेंगे तो वे इसका पालन अवश्य करेंगे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन द्वारा वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध का आह्वान किया गया है। हमें सबको साथ लेकर, बिना कोई कटुता पैदा किए यह कार्य सम्पादित करना है।

समारोह में सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने उपस्थित पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ मिलकर झंडोत्तोलन किया और राष्ट्रगान गाया गया। **सुश्री सुनीता लोहिया** एवं **सुश्री चंचल अग्रवाल** ने मधुर राष्ट्रभक्ति-परक गीत गाये।

समारोह को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि वर्तमान सरकार से देश में आशा का संचार हुआ है पर जनता की आकाश छूती अपेक्षाओं पर खरा उतरना एक बड़ी चुनौती होगी। चीन-भारत-भूटान सीमा पर तनाव की चर्चा करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में देश को आंतरिक रूप से मजबूत करना बहुत आवश्यक है। उन्होंने गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले ३० करोड़ से अधिक देशवासियों

का भी जिक्र किया और कहा कि उनके विषय में भी सोचना जरूरी है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कहा कि यह विचारयोग्य विषय है कि हमने आजादी के सत्तर सालों में क्या खोया और क्या पाया है। सम्मेलन के समाज सुधार के कार्यक्रमों पर हर्ष व्यक्त करते हुए श्री पोद्दार ने कहा कि 'वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध' के सम्मेलन के आह्वान पर सक्रिय कदम उठाये जाने चाहिए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हमारी साक्षरता १२ से ७६ प्रतिशत पहुँची है, औसत आयु ३२ से ६६ वर्ष हो गयी है और प्रतिव्यक्ति आय जो २५० रुपये के करीब थी अब ९० हजार रुपये से अधिक हो गयी है। यह सभी आँकड़े हमारे राष्ट्र के विकास के द्योतक हैं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का ध्येय-वाक्य है -- 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'। समाज को हर प्रकार से देश की प्रगति में योगदान करना चाहिए क्योंकि देश की प्रगति में ही समाज की प्रगति निहित है। पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री गोपाल अग्रवाल** ने सम्मेलन के संगठन की बढ़ती मजबूती के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष को साधुवाद ज्ञापित किया और कहा कि सम्मेलन के लिए जिन लोगों ने विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल की हैं, उनको सम्मानित करना चाहिए।

उद्योगपति-समाजसेवी **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने कहा कि हम आजादी के ७१वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। स्वतंत्रता-संग्राम में हमारे बलिदानी पूर्वजों यथा घनश्याम दास जी बिड़ला, जमनालाल जी बजाज आदि ने तन-मन-धन से सहयोग किया। आजादी के बाद भी उद्योग-व्यापार के माध्यम से मारवाड़ी समाज ने राष्ट्र-निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।

पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने संगठन को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने कहा कि पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण गुलामी है। उन्होंने शिक्षा में मानवीय मूल्यों को शामिल करने की आवश्यकता बताई और कहा कि हमें भारतीयता की ओर बढ़ना चाहिए। **सर्वश्री भानीराम सुरेका** और **ओम लड़िया** ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे।

समारोह का संचालन करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने संकल्पित होकर सदस्यता-अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज की स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश के चहुँमुखी विकास में अत्यंत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दिनेश जैन** ने उपस्थित सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अपनी क्षेत्रीय सामाजिक संस्थाओं को सम्मेलन से सम्बद्ध करें जो दोनों के लिए परस्पर लाभप्रद होगा।

समारोह में सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर बिदावतका**, पश्चिम बंग सम्मेलन के महामंत्री **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल**, **सर्वश्री पवन जालान**, **रमेश बूबना**, **शिव कुमार बागला**, **विनोद अग्रवाल**, **संतोष रुँगटा**, **सम्पतमल बच्छावत**, **संदीप सेक्सरिया**, **प्रेमचन्द सुरेलिया**, **रामनिवास शर्मा 'चोटिया'**, **रवि लोहिया**, **संजय शर्मा**, **गोविन्द प्रसाद अग्रवाल**, आदि उपस्थित थे।

पृष्ठ ९ का शेषांश–

सामाजिक परिवर्तन के लिए.....

बैठक में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल**, जसवन्तगढ़ नागरिक परिषद के अध्यक्ष **श्री चन्द्रशेखर सारडा**, गुढ़ा गौड़जी वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष **श्री नवल किशोर परसरामका**, सम्मेलन के संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री दिनेश कुमार जैन** एवं **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका**, पश्चिम बंग सम्मेलन के मंत्री **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**, सुजानगढ़ नागरिक परिषद के मंत्री **श्री भागीरथ चांडक**, लोसल नागरिक परिषद के मंत्री **श्री महेश कुमार मालपानी**, सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य **श्री रमेश कुमार बुबना** आदि उपस्थित थे और इन सभी ने बैठक में अपने विचार संक्षेप में व्यक्त किए। ★★★

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

संगठन एवं समाज सुधार के प्रयासों के मिल रहे सार्थक परिणाम : प्रह्लाद राय अगरवाला

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक गत १९ अगस्त २०१७ को सम्मेलन के शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित कार्यालय के सभागार में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने सर्वप्रथम

सभी उपस्थितों का स्वागत किया और सम्मेलन की गतिविधियों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सम्मेलन द्वारा वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध के लिए किए जा रहे प्रयासों पर समाज की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, हमारा प्रयास यह रहना चाहिए कि बिना किसी प्रकार की कटुता पैदा किए, आपसी सद्भाव और युवक-युवतियों को इस विषय पर सचेत एवं मार्गदर्शन कर, इस कुरीति पर काबू पाया जाये। अपनी सभ्यता और संस्कारों के विषय में अगर अपने युवक-युवतियों, किशोर-किशोरियों को तार्किक ढंग से बताया जाएगा तो वे अवश्य इसका पालन करेंगे क्योंकि नयी पीढ़ी अत्यंत प्रतिभावान है।

श्री अगरवाला ने संगठन-विस्तार की गति पर संतोष व्यक्त किया और उपस्थित प्रान्तीय पदाधिकारियों से सदस्यता-विस्तार की गति को यथासम्भव बढ़ाने का अनुरोध किया। सम्मेलन के भावी कार्यक्रमों के विषय में बोलते हुए उन्होंने सितम्बर-मध्य में वार्षिक साधारण सभा, आगामी २१ अक्तूबर २०१७ को दीपावली प्रीति मिलन एवं आगामी २५ दिसम्बर २०१७ को स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों पर चर्चा की।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने बताया कि समाज सुधार के क्षेत्र में अपने प्रयासों के अन्तर्गत सम्मेलन ने समाज के वरिष्ठ एवं लब्धप्रतिष्ठित समाजबन्धुओं से सम्पर्क किया और उन्होंने सम्मेलन के – (१) वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध, (२) सामाजिक पंचायत का गठन, एवं (३) शादी-विवाहों में दिखावा-आडम्बर में कमी, इन तीनों कार्यक्रमों में साथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। श्री शर्मा ने बताया कि **"मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत"** का गठन प्रक्रियाधीन है। एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय के अन्तर्गत **श्री सुदर्शन कुमार बिड़ला, श्री बृजमोहन खेतान** एवं **श्री रघुनन्दन मोदी** ने पंचायत के सलाहकार की भूमिका निभाने की स्वीकृति दी है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** महापंचायत के अध्यक्ष होंगे तथा इसके सदस्य होंगे **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, डॉ. जुगल किशोर सराफ, श्री महेन्द्र कुमार जालान, श्री बालकिशन डालमिया और श्री बसन्त कुमार झँवर। श्री नंदलाल रूँगटा, श्री रामअवतार पोद्दार, सासंद श्री विवेक गुप्ता एवं श्री संतोष सराफ** विशिष्ट आमंत्रित सदस्य होंगे। श्री रघुनन्दन मोदी एवं श्री संतोष सराफ संयोजक की भूमिका निभायेंगे।

श्री शर्मा ने राजा राममोहन राय सरणी में सम्मेलन भवन के निर्माण से सम्बंधित प्रगति के विषय में संक्षेप में बताते हुए कहा कि कार्पोरेशन की सभी स्वीकृति प्रायः मिल गई है और अन्य आवश्यक कार्य भी हाथ में ले लिया गया है।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने सम्मेलन के संगठन-विस्तार में प्रगति पर हर्ष व्यक्त किया और राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा प्रान्तीय दौरों के महत्व पर बल दिया।

इसके पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (१३ मई २०१७, कोलकाता) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। श्री लोहिया ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के गतिविधियों पर 'महामंत्री की रपट' एवं सत्र के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों पर 'कार्यवाही की रपट' भी प्रस्तुत की।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने लेखा परीक्षक द्वारा जाँच हुए, वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के **'आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र'** प्रस्तुत किया जिसे संक्षिप्त विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से पारित किया गया। श्री तोदी ने वर्तमान सत्र के दौरान सदस्यता-विस्तार में राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका के उल्लेखनीय योगदान की चर्चा की एवं उन्हें धन्यवाद दिया।

बैठक में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रस्तुत अखिल भारतीय समिति के गठन, राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन एवं राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक कार्यकारिणी के कार्यकाल से सम्बंधित प्रस्तावों पर चर्चा हुई। विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि चूँकि ये प्रस्ताव संविधान संशोधन से सम्बंधित हैं, एक तीन सदस्यीय समिति, जिसके सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** एवं **श्री रामअवतार पोद्दार** तथा संयोजक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** होंगे, इन पर विचार करेगी, प्रान्तीय शाखाओं से उनका अभिमत लेगी और तत्पश्चात् अपनी अनुशंसा अखिल भारतीय समिति को प्रस्तुत करेगी।

बैठक में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**, महामंत्री **श्री बसन्त मित्तल**, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** एवं गौहाटी से पधारे पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल** ने अपने-अपने प्रादेशिक सम्मेलनों की गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों के विषय में बताया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने संगठन पर अपनी रपट प्रस्तुत करते हुए बताया कि विघटित छत्तीसगढ़ प्रान्त के पुनर्गठन हेतु २७ अगस्त २०१७ को रायपुर में एक समारोह आयोजित किया जा रहा है जिसमे केन्द्र से वे स्वयं एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी भाग लेंगे।

पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री रतन लाल शाह** ने समयबद्ध होकर सामाजिक कार्यक्रमों की रूप-रेखा तैयार करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों की जनगणना के विषय में भी सम्मेलन को विचार करना चाहिए। झारखंड सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री राजकुमार केडिया** ने कहा कि कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग आवश्यक है।

श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला ने कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राजस्थान और हरियाणा के लोगों को संगठित करना है इसलिए हमें इन राज्यों से सम्बंधित सभी संस्थाओं को साथ लेने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज सुधार स्वयं सं शुरू होता है अतः आचरण 'मनसा-वाचा-कर्मणा' होना चाहिए।

अंत में धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कथनी और करनी समान रखने को समाज सुधारों के लिए आवश्यक बताया। बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, सर्वश्री ऋषि बागड़ी, प्रेमचन्द सुरेलिया, गोपाल अग्रवाल, सांवरलाल शर्मा, आत्माराम सोन्थलिया, द्वारिका प्रसाद डाबड़ीवाल, पवन कुमार जालान, श्यामलाल डोकानिया, डॉ. जुगल किशोर सराफ, रतनलाल अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल** आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की 'पंचहीन समाज : बढ़ते तलाक' विषय पर संगोष्ठी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सम्मेलन सभागार में **पंचहीन सभाज : बढ़ते तलाक** विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए समाजचिन्तक सीताराम शर्मा ने प्रस्ताव रखा कि सम्मेलन के माध्यम से समाज के ११ लोगों की एक पंचायन बनाई जानी चाहिए जो कि बढ़ते तलाक को रोकने की दिशा में कारगर कदम उठाये। इस प्रस्ताव का उपस्थित लोगों ने पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि यह समय की माँग है। श्री शर्मा ने कहा कि हमारे समाज में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का पतन इस कदर तक हो गया कि बाप अपने ही बेटे से डरने लगा है। उन्होंने बताया कि बढ़ते तलाक इसलिये भी चिन्तनीय हैं कि कई मामलों में देखा जा रहा है कि लड़कियाँ विवाह करने से कतराने लगी हैं। यह कोई शुभ संकेत नहीं है। अगर समय रहते कारगर कदम नहीं उठाये गये तो स्थिति काफी सोचनीय हो सकती है। बतौर वक्ता रतन शाह ने बताया कि ४ अगस्त १९४७ को समाज की सबसे बड़ी और पहली पंचायत बड़ाबाजार के विशुद्धानन्द विद्यालय के प्रांगण में हुई थी, जब समाज के लोगों पर घी में मिलावट किये जाने का आरोप लगा था। तब पंचों को परमेश्वर माना जाता था। लोगों के मन में उनके प्रति श्रद्धा तथा सामाजिक बहिष्कार होने का भय था। सामाजिक प्रतिष्ठा वाले व्यक्तियों को निजी स्वार्थ का त्याग करना होगा तथा बेखौफ होकर सही फैसला देने की प्रवृत्ति रखनी होगी तभी पंच परमेश्वर की व्यवस्था पुनः शुरू हो सकती है। बढ़ते तलाक पर उन्होंने कहा कि लड़किया शिक्षित हो रही हैं, इसलिये अब उनसे गुलामी की अपेक्षा नहीं की जा सकती। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष सराफ ने कहा कि बचपन से संस्कार दिये जाने पर तलाक में कमी आ सकती है। संगोष्ठी का संचालन करते हुए राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय हरलालका ने कहा कि अग्रवाल समाज में विवाह के दौरान बैण्ड-बाजे पर प्रतिबन्ध समाज के लोगों ने लगाया था जो कि आज तक जारी है।

राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री दिनेश जैन ने कहा कि कई मामलों में लड़की द्वारा भी अत्याचार किये जाने की बात सामने आई है। नन्दकिशोर अग्रवाल, नन्दलाल सिंहानिया, प्रदीप सिंहानिया, जगदीश चन्द्र मूँधड़ा, राजेन्द्र राजा, बृजमोहन बेरीवाला, अमित मूँधड़ा, गोपाल झुनझुनवाला सहित अन्यों ने भी समस्या तथा प्रस्ताव रखे। धन्यवाद दिया राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कैलाशपति तोदी ने।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की विचारगोष्ठी

धर्म और सामाजिक मूल्यों पर कर्मयोगी स्वामी धर्मबन्धु ने किया मार्गदर्शन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सभागार में गत २६ अगस्त २०१७ को **'धर्म एवं सामाजिक मूल्य'** विषयक विचारगोष्ठी आयोजित की गई जिसे सम्बोधित करते हुए वैदिक मिशन ट्रस्ट के अध्यक्ष **कर्मयोगी स्वामी धर्मबन्धु** जी ने विषय की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने कहा कि **लोग जिन चीजों से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, वे हैं धर्म, विज्ञान और बाजार। पहले धन्धे में धर्म होता था, अब धर्म में धन्धा आ गया है। अध्यात्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है और विज्ञान के बिना धर्म की स्थिति एक अंधे की तरह होगी। हमें इनका मर्म समझने और इनमें संतुलन बनाये रखने का प्रयास करना चाहिए।**

स्वामी जी ने वेदों, पुराणों, पितामह भीष्म, महर्षि वेदव्यास, भगवान श्रीकृष्ण, चाणक्य, आइंस्टीन आदि को उद्धृत करते हुए विभिन्न धार्मिक सूत्रों की व्याख्या की और आम जनजीवन में भी हम किस प्रकार धर्म के मार्ग पर चलते हुए अपना जीवन-यापन कर सकते हैं इस विषय पर सटीक मार्गदर्शन किया।

विचारगोष्ठी के प्रारम्भ में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने सबका स्वागत किया और स्वामीजी को माल्यार्पण किया। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने स्वामी जी को सम्मेलन की ओर से स्मृति-चिह्न भेंट किया।

स्वामी जी ने अपने वक्तव्य के बाद सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया, श्री ओम लड़िया, श्री जगदीश पाटोदिया** आदि द्वारा प्रस्तुत जिज्ञासाओं का भी सटीक समाधान किया। खचाखच भरा सभागार लगातार उपस्थित समुदाय के करतल से गूँजता रहा।

धन्यवाद–ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि धर्म ही मानवता का पाठ पढ़ाता है। धर्म के बिना मनुष्य पशुवत है। विचारगोष्ठी में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल**, महामंत्री **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल**, **सर्वश्री जगदीश चन्द्र मूँधड़ा, कृष्ण कुमार डोकानिया, पवन कुमार जालान, बृज मोहन अग्रवाल, अरुण कुमार टिबड़ेवाल, रमेश कुमार बुबना, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, जे.पी. अग्रवाल, कान्ति चन्द्र गोयनका, रामनिवास शर्मा 'चोटिया', डॉ. जुगल किशोर सराफ, ओमप्रकाश मस्करा, शिव रतन फोगला, रतन मारोठिया, हरिकिशन चौधरी, श्रीराम आर्य, संतोष तिवारी, गिरधारीलाल पारीक, आर.बी. खेतान, गोकुल मुरारका, कमल कुमार सरावगी, जुगल किशोर जाजोदिया, गोविन्द अग्रवाल, शरद सराफ, रतनलाल अग्रवाल, श्रीगोपाल झुनझुनवाला, राजकुमार अग्रवाल, प्रवीण सिंघानिया, संजय लिल्हा, आकाश गुप्ता, राजकुमार काजड़िया, घनश्याम मूँधड़ा, पुरुषोत्तम तिवारी, विनीत नाहटा, अमित चौधरी, राजेन्द्र राजा** आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन गुवाहाटी में

कार्यकारिणी समिति की सभा संपन्न, पेशेवर तरीके से इतिहास लेखन पर बनी सहमति

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) का अगला प्रांतीय अधिवेशन आगामी दिसंबर-जनवरी में गुवाहाटी शाखा के आतिथ्य में संपन्न होगा। अधिवेशन में पूर्वोत्तर की विभिन्न शाखाओं के लोगों का गुवाहाटी में जमावड़ा होगा, जिसमें अगले दो वर्षों के लिए संगठन की दिशा और दशा तय की जाएगी। इसके अलावा इस मौके पर अगले सत्र के लिए अध्यक्ष का चुनाव भी किया जाएगा। यह निर्णय आज महानगर में संपन्न पूप्रमास की कार्यकारिणी समिति की सभा में लिया गया। सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष राजकुमार रिंगानिया, मंत्री सुशील गोयल एवं कोषाध्यक्ष संजय (पम्पू) मोर ने बैठक में उपस्थित होकर अधिवेशन गुवाहाटी शाखा के आतिथ्य में कराए जाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सभा ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। सभा में संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) राजकुमार तिवाड़ी को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। सम्मेलन की वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने जा रहा है। यह बताया गया है कि सम्मेलन पूर्वोत्तर में मारवाड़ियों के इतिहास का लेखन पेशेवर लोगों द्वारा कराएगा। इसके लिए डॉ. दिनेश अग्रवाल को जिम्मेदारी दी गई है। संगठन की इतिहास लेखन समिति के संयोजक भेमाजी के उमेश खंडेलिया ने बैठक में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर सभा में विशेष रूप से आमंत्रित डॉ. दिनेश अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे। वहीं प्रांतीय महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी ने सभा को जानकारी दी कि असम साहित्य सभा की ओर से भी मारवाड़ी समाज के इतिहास लेखन का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि साहित्य सभा राज्य की सभी जनगोष्ठियों का इतिहास लिखने का प्रकल्प हाथ में लेने जा रही है। उन्होंने बताया कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि असम साहित्य सभा ने मारवाड़ी समाज को असम की एक जनगोष्ठी के रूप में स्वीकार किया है।

मारवाड़ी सम्मेलन व्यापार एवं वाणिज्य के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजबंधुओं को उपयुक्त मान्यता देने का पक्षधर है। इस क्रम में समाज के ऐसे दिवंगत लोगों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करना भी संगठन की प्राथमिकता में शामिल है, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम कर समाज का नाम रोशन किया था। अपने इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन ने स्वर्गीय राधाकृष्ण खेमका की जन्म शताब्दी के आयोजन का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम के लिए प्रांतीय नेतृत्व की ओर से सम्मेलन की सभी शाखाओं को एडवाइजरी जारी की जाएगी। इस विषय पर चर्चा में संतोष बैद, डॉ. श्यामसुंदर हरलालका, घनश्याम लडिया सहित कई अन्य सभासदों ने भाग लिया।

कार्यकारिणी सभा में शिक्षा कोष से संबंधित जानकारी कोष के अध्यक्ष ओंकारमल अग्रवाल ने दी। शिक्षा कोष से संबंधित विषय पर चर्चा में डॉ. श्यामसुंदर हरलालका, ओमप्रकाश खंडेलवाल, ओमप्रकाश चौधरी, महावीर भीमसरिया एवं पवन शर्मा ने अपने विचार रखे। इसके अलावा सभा ने संगठन को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए एक दानपत्र योजना को भी अपनी मंजूरी दी। इस योजना का संयोजक संगठन मंत्री अशोक अग्रवाल को बनाया गया है। सभा में महावीर भीमसारिया ने वित्तीय वर्ष २०१६-१७ के आय-व्यय का ब्योरा सभासदों के समक्ष रखा। सम्मेलन की कामरूप शाखा के प्रदीप जैन ने शाखा की परिणय बंधन समिति के क्रियाकलापों से सभा को अवगत करवाया। सभा में पूप्रमास के मुखपत्र सम्मेलन समाचार के ताजा अंक का विमोचन निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल अग्रवाल ने किया। सभा में प्रांतीय सलाहकार शिवभगवान शर्मा, डॉ. श्यामसुंदर हरलालका, ओंकारमल अग्रवाल, ओमप्रकाश चौधरी, ओमप्रकाश खंडेलवाल, पवन सीकरिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष राजकुमार तिवाड़ी, नागरमल शर्मा, सुनील शर्मा, प्रांतीय संयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद भीमसरिया, पवन शर्मा, सम्मेलन समाचार के संपादक संतोष बैद, प्रांतीय सहायक मंत्री अशोक नागोरी, कमल किशोर शर्मा, उमेश खंडेलिया, कंचन केजरीवाल, शिलांग महिला समिति की शाखाध्यक्ष रेखधा जैन, गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष राजकुमार रिगानिया, मंत्री सुशील गोयल, कोषाध्यक्ष संजय शर्मा, पीतराम केडिया, प्रदीप पारीक, घनश्याम लडिया, प्रमोद अग्रवाल, प्रदीप जैन एवं डॉ. दिनेश अग्रवाल उपस्थित थे। सभा का सभापतित्व मधुसूदन सीकरिया ने किया।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

मारवाड़ी सम्मेलन महिला समिति शिलांग

मारवाड़ी सम्मेलन महिला समिति शिलांग ने अनूपचंद विद्यालय में छात्रों एवं ट्रस्टियों के साथ स्वतंत्रता दिवस पालन किया। एन.सी.सी. के पैरेड के साथ झंडोतोलन सम्पन्न किया गया। समिति के सदस्यों ने राष्ट्रभक्ति के गीत गाये। छात्रों के मध्य देशभक्ति के गानों की प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं पुरस्कार वितरण किया गया। बच्चों को बिस्कुट एवं पेय पदार्थ दिये गये।

मारवाड़ी सम्मेलन : कामरूप शाखा ने शौचालय, पेयजल आदि का किया उद्घाटन

मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा ने स्वाधीनता दिवस के साथ-साथ अपना द्वितीय स्थापना दिवस चाभीपुल स्थित आठगांव एलपी स्कूल में मनाया। इस अवसर पर विद्यालय उप परिदर्शक देवेन चंद्र लहकर ने झंडोत्तोलन कर अपने भाषण में विद्यालय के नवीनीकरण कर स्थाई रूप से स्वच्छ शौचालय, शुद्ध पेयजल व्यवस्था, वृक्षारोपण व स्वच्छ भारत अभियान जैसे कार्यों की सराहना की। सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष मधुसुदन सीकरिया ने शुद्ध पेयजल सेवा व वृक्षारोपण कार्य का उद्घाटन किया। विद्यालय के उप परिदर्शक देवेंद्र लहकर ने छात्र-छात्राओं व शिक्षकों के लिए बनाए तीन अलग-अलग शौंचालयों का उद्घाटन किया। शाखाध्यक्ष पवन जाजोदिया व कार्यक्रम संयोजक बिमल काकड़ा ने छात्रों के बीच उपहार व मिठाइयां वितरित की। शाखा के सभी सदस्यों ने मिलकर चाभीपुल चाराली से स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई कार्यक्रम चलाया। मुकेश जिंदल, प्रदीप जाजोदिया, संजय खेतावत व रतन अग्रवाल को विद्यालय के नवीनीकरण व सौंदर्यीकरण कार्य में सक्रिय आर्थिक सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन के महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी, सांगठनिक सचिव अशोक अग्रवाल, विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरिधन कोटकी, विद्यालय के उप निरीक्षक दयाकृष्ण गोगोई, विद्यालय परिचालना समिति की अध्यक्ष स्वप्ना दास, चाभीपुल महिला समिति की अध्यक्ष कल्पना चौधरी, शिक्षिका दिपाली लेखारु उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन सम्पत मिश्र ने किया।

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का एक प्रतिनिधि मण्डल माननीय श्री छोटू राम चौधरी जी, माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री (भारत सरकार) उनके निवास स्थान पर मिला। प्रतिनिधि मण्डल मे दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, सेंट्रल दिल्ली शाखा अध्यक्ष श्री सज्जन शर्मा, शाखा महामंत्री श्री पवन कुमार अग्रवाल, श्री रवि जोशी, श्री सुशील अग्रवाल उपस्थित थे। सेंट्रल दिल्ली शाखा द्वारा १७ सितम्बर २०१७ के शपथ समारोह एवं राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है जिसमे उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। इसके अतिरिक्त अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की मासिक पत्रिका भेट की गयी। सम्मेलन द्वारा किये गए कार्यो की जानकारी दी गयी तथा आगामी कार्यो पर चर्चा हुई।

महिला समिति की सदस्याओं ने सीसुब के साथ मनाया रक्षाबंधन

बहनों ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधकर की उज्ज्वल भविष्य की कामना

सीमा पर तैनात जवानों को अधिकांश पर्व मनाने का मौका नहीं मिल पाता है। रक्षाबंधन एक महत्वपूर्ण पर्व होते हुए भी जवान अपनी बहनों से राखी नहीं बंधवा पाते। जवानों की इस कमी को दूर करते हुए कई महिला संगठनों ने बल के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। जिसमें जवान और सीसुब के महिला कांस्टेबलों ने भी भाग लीं।

मालूम हो कि मारवाड़ी सम्मेलन महिला समिति, शिलाँग के साथ उम्पलिंग परिसर में रक्षाबंधन का आयोजन किया गया। इसके अलावा अंतर्राष्ट्रीय भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित डाउकी और लिंखात सीमाई चोंकी में भी रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

मेघालय फ्रंटियर मुख्यालय, शिलोंग में स्थानीय मारवाड़ी सम्मेलन की महिला समिति के द्वारा रक्षा बंघन के पावन पर्व पर फौज मे तैनात जवानों को राखी बांधकर एक मिशाल कायम की। इस दौरान करीब दो सौ जवानों को महिलाओं ने राखी बांधी।

सीमा पर गस्त लगाने वाले जवान महिला संगठनों की बहनों से मिले प्यार से गद्‌गद् दिखे। जवानों ने खुशी-खुशी कलाइयों में राखी बंधवाई। बहनों ने देश की रक्षा करने वाले जवानों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस पावन मौके पर कुछ जवान इतने भावुक हो गए की उनकी आंखों में आंसू छलक गए।

इस अवसर पर जवानों ने बताया कि हम अपने-अपने घरों से इतने दूर रहते है कि त्योहार के मौके पर घर परिवार की बहुत याद आती है। मगर आज हमारी इन बहनों ने हमें अपनी खुशियों में शामिल करके बहुत खुशी दी है। आज यह सब देखकर हमारा हौसला काफी बढ़ा है और एक जवान ने तो कहा कि हम आज अपनी वहनों को यह वादा करते है कि हम अपने देश और भारत माता की आन-वान और शान को कोई आँच नहीं आने देंगे। मारवाड़ी सम्मेलन महिला समिति की सबसे कम उम्र की सदस्य मिस नैनी चौधरी (१३) ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' पर सुंदर व्याख्यान रखी।

इस अवसर पर सम्मेलन समिति की अध्यक्ष श्रीमती रेखा जैन, उपाध्यक्ष श्रीमती मनीषा झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष निलम बजाज सहित जूली जैन, पूजा भुत, सरिता अग्रवाल, पुनम गोयनका, हेमा शर्मा, शालिनी चौधरी सहित सम्मेलन शाखा की काफी महिलाएं शामिल हुई और सभी ने फोजी भाइयों को रक्षा सूत्र बांधकर एक मिशाल कायम किया।

समिति की कोषाध्यक्ष निलम बजाज ने जवानों एवं उपस्थित सभी को धन्यवाद दिया।

इस शुभ अवसर की पूर्व संध्या पर मारवाड़ी सम्मेलन की महिला समिति की अध्यक्ष रेखा जैन, उपाध्यक्ष मनीषा झुनझुनवाला ने प्रेरणा दायक वक्तव्य रखा और अपने उद्देश्यों को वताया इस मौके पर एक आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

पतंजलि महिला समिति, शिलोंग की सदस्याओं ने अंतर्राष्ट्रीय चेक पोस्ट डाउकी में रक्षावंधन पर्व का पालन किया। सदस्याओं ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधते हुए उन्हें मिठायां खिलाई और जवानों की जिंदगी सलामती की कामना की। सीसुब मेघालय फ्रंटियर के आईजी पीके दुवे, डीआइजी (जी) यूके नयाल ने मारवाड़ी सम्मेलन की महिला समिति, शिलोंग और पतंजलि महिला समिति, शिलोंग का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस कार्यक्रम को अनोखा बताया।

प्रांतीय समाचार : झारखण्ड

झंडोत्तोलन

झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर प्रान्तीय कार्यालय, मारवाड़ी भवन परिसर, हरमु रोड, रॉची में झण्डोतोलन किया। झण्डोतोलन के पश्चात श्री गाड़ोदिया ने अपने संदेश में कहा कि सामाजिक संस्थाओं को अपना कार्य पूर्ण निष्ठा से करना चाहिये और समाज के साथ राष्ट्र की प्रगति में योगदान करना चाहिये।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को आश्वस्त किया है कि हमारी सेना हमारी सीमाओं की सुरक्षा करने में पूर्णतया सक्षम हैं। इसमें सन्देह नहीं कि हमारे जवान पूरी सतर्कता से सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। साथ ही हम यदि अपना-अपना कार्य पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से करते रहेंगे तो देश तरक्की करेगा और हमारी सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित रहेंगी।

उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज हमेशा से राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति समर्पित रहा है और हम अपनी इस परम्परा को कायम रखेंगे।

इस अवसर पर निवर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया, प्रान्तीय उपाध्यक्ष श्री रतनलाल बंका, श्री धमचंद जैन रारा, कोषाध्यक्ष श्री नन्द किशोर पाटोदिया, संयुक्त महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र बजाज, श्री पवन शर्मा, श्री पवन पोद्दार, रॉची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रवि शंकर शर्मा, मंत्री श्री मनोज बजाज, श्री चण्डी प्रसाद डालमिया सहित अनेक विशिष्टजन एवं सदस्य उपस्थित थे।

प्रान्तीय कार्यालय के अतिरिक्त रॉची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रवि शंकर शर्मा ने कॉके रोड स्थित परम मैत्री सदन में झण्डोतोलन किया। मधुपुर में अध्यक्ष श्री परमेश्वर लाल गुटगुटिया ने झण्डोतोलन किया। इसके अलावा हजारीबाग, रामगढ़, सिमडेगा, गुमला, लोहरदग्गा, खूंटी सहित जिला मुख्यालयों में जिला अध्यक्षों द्वारा झण्डोतोलन किया गया।

करीब ३०० मेधावी छात्र-छात्राएँ सम्मानित

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वाधान में रविवार २३ जुलाई २०१७ को मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह कलामंदिर सभागार, सुबह १० बजे से सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह की शुरूआत श्री गणेश जी की पूजा अर्चना व छात्राओं द्वारा गणेश वन्दना गीत के साथ हुआ। सम्मेलन इस वर्ष ५० स्कूलों के करीबन ३०० विद्यालयों को मेमेन्टो व सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लादराय अग्रवाल ने समारोह की अध्यक्षता की। राज्य सरकार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्री बी. पी. गोपालिका, एडिशनल पुलिश कमिश्नर श्री विनीत गोयल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, श्री बनवारीलाल मित्तल, उद्योगपति व शिक्षानुरागी श्री संजय गुप्ता, शिक्षानुरागी श्री अनिल जैन व राष्ट्रीय महामंत्री शिव कुमार लोहिया इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री बी. पी. गोपालिका ने कहा कि आज का युग ज्ञान का युग है। भारतीय मेधा का लोहा आज पूरी दुनिया मानती है। उन्होने अपने अनुभव के आधार पर छात्र-छात्राओं को कुछ प्रेरक टिप्स भी दिए। एडिशनल पुलिश कमिश्नर श्री विनीत गोयल ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी आवश्यक है। हर विद्यार्थी में मेधा होती है। कठिन मेहनत से ही मेधा को उभार मिलता है। श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि मारवाड़ी समाज के बच्चों में शिक्षा के प्रति नवजागरण देखने को मिल रहा हैं मेधावी बच्चे आज हर क्षेत्र में समाज का नाम रोशन कर रहे है। समारोह के अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल ने मारवाड़ी में अपना सम्वोधन रखते हुए कहा कि यह सम्मान बच्चों की मेधा का सम्मान है। इससे अन्य छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिलेगी। उन्होने कहा कि मारवाड़ी समाज के बच्चों को अपनी भाषा के प्रति भी रूझान रखना चाहिये। प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने कहा कि हमारा समाज अपनी कर्मभूमि पर धर्म, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा सभी प्रकार के सेवा कार्यों में जुटा हुआ है। यह सेवा-भावना हमें अपनी पूर्वजों से विरासत में मिली है। उन्होने विवाह आदि समारोहों में दिखावा बंद करने की अपील की। प्रांतीय महामंत्री थी ओम प्रकाश अग्रवाल ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला एवं मारवाड़ी कविता से बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया। शिक्षानुरागी बनवारीलाल मित्तल ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं युवा उद्यमियों के लिये प्रेरक सम्बोधन प्रस्तुत किया। प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री निर्मल सराफ ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर समारोह में पधारे अतिथियों को शॉल व फूलों की गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावको द्वारा कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की गई। लोगों ने बढ़चढ़ कर समारोह में हिस्सा लिया। उपस्थिति काफी अच्छी रही।

इस अवसर पर लोक संस्कृति के अध्यक्ष श्री संदीप गर्ग, अग्रसेन सेवा समिति के अध्यक्ष श्री घनश्यामदास गुप्ता, जसवन्तगढ़ नागरिक परिषद के अध्यक्ष श्री चन्द्र शेखर सारडा, श्री संजय सराफ, सीए सुदुर्शन अग्रवाल एवं विनय दूबे को सम्मानित किया गया। समारोह में श्री रतन शाह, श्री भानीराम सुरेका, प्रांतीय पूर्व अध्यक्ष श्री विजय गुजरवासिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलास पति तोदी राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री दिनेश जैन, श्री नन्द लाल सिंघानिया सहित कई विशिष्ट जन उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री गोपाल अग्रवाल, श्री विश्वनाथ खरकिया, श्री निर्मल सराफ, प्रांतीय संयुक्त मंत्री, श्री शिवकुमार अग्रवाल, श्री कमल जैन, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री गोपी धुवालिया, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्री सुनील डोकानिया, सह-कोषाध्यक्ष श्री रूपक केडिया, श्री महेन्द्र गुप्ता, श्री संजय भरतिया, श्री किशन किल्ला, श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री सज्जन बेरीवाल, श्री अभिषेक डोकानिया, श्री अनिल डालमिया, श्री ओम प्रकाश गोयल, श्री नवल जालान आदि का सहयोग सक्रिय रहा। संस्था के उपाध्यक्ष श्री प्रकाश चण्डालिया ने कार्यक्रम का बखूबी संचालन किया।

बिहार मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा समिति के अध्यक्ष को पितृशोक

बिहार मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा समिति के कार्यालय में स्व० सीताराम हिसारिया के निधन पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। बिहार मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा समिति के अध्यक्ष सह फार्मा ड्रग डिस्ट्रीव्यूटर्स के उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर हिसारिया के पिता स्व० सीताराम हिसारिया का देहावसान विगत २३ जुलाई २०१७ को हो गया।

श्रद्धांजलि एवं शोक व्यक्त करने वालों में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्मल कुमार झुनझुनवाला, आध्यात्मिक सत्संग समिति के अध्यक्ष विजय किशोरपुरिया, बी.आई.ए के अध्यक्ष राम लाल खेतान, बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पी.के. अग्रवाल एवं समाजसेवी सह जदयू व्यवसायिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष कमल नोपानी फार्मा डिस्ट्रीव्यूटर्स के अध्यक्ष जगदीश डिडवानिया सहित इन संस्थाओं के ढ़ेर सारे पदाधिकारीगण शामिल है।

राष्ट्रीय चेतना आज की जरूरत – केशरीनाथ त्रिपाठी

डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी राष्ट्र भारती सम्मान से सम्मानित

'राष्ट्रीय अस्मिता, देश के प्रति गौरव-बोध तथा राष्ट्रीय चेतना का प्रसार आज के समय की सर्वाधिक आवश्यकता है। स्वाधीनता के ७० वर्षों में देश ने बहुत कुछ अर्जित किया है और भविष्य में भी बहुत कुछ पाने की तीव्र इच्छा है। 'शंखनाद' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों में स्वाभिमान की जागृति होगी और राष्ट्रभाव विकसित होगा।' – ये उद्‌गार हैं पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी के. जो 'फ्रेन्ड्स ऑफ कोलकाता' की ओर से कलामंदिर प्रेक्षागृह में आयोजित 'शंखनाद' कार्यक्रम में प्रख्यात साहित्यकार डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी को 'राष्ट्र भारती सम्मान' से सम्मानित करते हुए बतौर प्रधान अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने इस सम्मान हेतु कुमारसभा पुस्तकालय के अध्यक्ष एवं प्रबुद्ध साहित्यकार डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी के चयन की प्रशंसा की तथा मानपत्र एवं ५१,०००/- राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र ने कहा डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी हिन्दी साहित्य की नवीन श्रृंखला के परिचायक हैं। जिस प्रकार कोलकाता उनके बिना अधूरा, उसी प्रकार यहां का साहित्य भी उनके बिना अधूरा है। दोनों एक दूसरे के परिचायक हैं।

सम्मान से अभिभूत डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी ने कहा कि उनके जीवन को आचार्य विष्णुकांत शास्त्री ने एक नया मोड़ दिया एवं मेरे जैसे पत्थर को तराशा। मेरे पिता ने मुझे सिखाया कि राम ही राष्ट्र है। डॉ. अरूण प्रकाश अवस्थी, विमल लाठ और जुगल किशोर जैथलिया ने भी मेरे जीवन को आयाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। डॉ. त्रिपाठी ने अपनी सम्मान राशि कुमारसभा पुस्तकालय द्वारा संचालित आचार्य विष्णुकांत शास्त्री व्याख्यानमाला को समर्पित की।

संस्था के चेयरमैन श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल ने स्वागत भाषण किया तथा धन्यवाद ज्ञापन किया श्री अशोक पारीक ने। कार्यक्रम का कुशल संचालन किया श्री प्रकाश चंडालिया ने। प्रारम्भ में लोकप्रिय गायक श्री ओमप्रकाश मिश्र ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन 'शंखनाद' में कवियों ने अपनी ओजस्वी रचनाओं का पाठ किया।

बसंत मित्तल बने झारखंड में अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश संयोजक

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री बसंत कुमार मित्तल को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के झारखंड प्रदेश इकाई हेतु प्रदेश संयोजक मनोनीत किया गया है।

बधाई!

समाचार सार

गोइन्का पुरस्कार व सम्मान समारोह हैदराबाद में सम्पन्न

डॉ. शुभद्रा वांजपे जी की अध्यक्षता में दिनांक ५ अगस्त के दिन हैदराबाद के "फायसी सभागृह" में कमला गोइन्का फाउण्डेशन द्वारा आयोजित वरिष्ठ तेलुगु भाषी हिन्दी साहित्यकारों एवं हिन्दी पत्रकारों के सम्मानार्थ समारोह में कमला गोइन्का फाउण्डेशन के प्रबंध न्यासी श्री श्यामसुन्दर गोइन्का जी ने पुरस्कृत साहित्यकारों और पत्रकारों के योगदान को सराहा व संस्था का परिचय दिया।

आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकारों के सम्मान में घोषित "भाभीश्री रमादेवी गोइन्का हिन्दी साहित्य सम्मान" २०१७ से वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. टी. मोहन सिंह जी को उनके साहित्यिक सेवा एवं योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ हिन्दी-तेलुगु अनुवाद के सम्मानार्थ घोषित एकतीस हजार रुपये का "गीतादेवी गोइन्का हिन्दी-तेलुगु अनुवाद पुरस्कार" २०१७ इस वर्ष विशाखापट्टनम की श्रीमती पारनन्दि निर्मला जी को प्रख्यात लेखक श्री आदिनारायण जी की तेलुगु पुस्तक "जिप्सी" की हिन्दी में अनुसृजन तथा उनके द्वारा हिन्दी व तेलुगु साहित्य के प्रति किये गये योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

साथ ही आंध्र प्रदेश के हिन्दी पत्रकारिता जगत के वरिष्ठ पत्रकारों के सम्मानार्थ घोषित "श्री मुनींद्र पत्रकारिता सम्मान" से हैदराबाद से प्रकाशित प्रमुख हिन्दी दैनिक "हिन्दी मिलाप" की कर्मठ पत्रकार श्रीमती कुमुदु जैन जी को सम्मानित किया गया।

पंडिता रमाबाई की स्मृति में शुरू होगी व्याख्यानमाला

साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों के लिए काम कर रहा स्थानीय प्रयास संस्थान भारत में महिला शिक्षा की अलख जगाने में अग्रणी रही पंडिता रमाबाई की स्मृति में वर्ष २०१८ से व्याख्यानमाला शुरू करेगा। प्रयास संस्थान के अध्यक्ष दुलाराम सहारण ने बताया कि प्रतिवर्ष देश-दुनिया के किसी एक चुनिंदा वक्ता को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया जाएगा और पंडिता रमाबाई के काम को प्रकाश में लाते हुए उनके महिला-उत्थान तथा शिक्षा के प्रति संकल्प से जुड़े विषय पर व्याख्यान करवाया जाएगा।

प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि संस्थान व्याख्यान के मानदेय के रूप में व्याख्यान देने आए विद्वान को एक लाख रुपये प्रदान करेगा। प्रयास संस्थान को यह राशि शिक्षाविद प्रो. घासीराम वर्मा द्वारा संस्थान के नाम करवाई जा रही इक्कीस लाख रुपये की सवधि जमा राशि के ब्याज से प्राप्त होगा। शर्मा ने बताया कि संस्थान यह व्याख्यान प्रतिवर्ष चूरू जिला मुख्यालय पर करवाएगा और प्रथम व्याख्यान वर्ष २०१८ के अगस्त माह में होगा।

डॉ. त्रिपाठी कुमारसभा पुस्तकालय के अध्यक्ष पुनः निर्वाचित

कोलकाता महानगर की सुविख्यात साहित्यिक संस्था श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय की वर्ष (२०१७-२०१८) के लिए नयी कार्यसमिति का चुनाव आज सुसम्पन्न हुआ, जिसमें डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी को पुस्तकालय का अध्यक्ष पुनः निर्वाचित किया गया। उपसभापति मोहनलाल पारीक एवं शांतिलाल जैन, मंत्री महावीर प्रसाद बजाज, उपमंत्री गजानन्द राठी एवं सत्यप्रकाश राय, अर्थमंत्री अरुण प्रकाश मल्लावत एवं साहित्य मंत्री श्री योगेश राज उपाध्याय सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। सदस्यों में सर्वश्री श्रीमती दुर्गा व्यास, नन्दकुमार लढ़ा, डॉ. तारा दूगड़, रामगोपाल सूंधा, शंकरबक्स सिंह, रुगलाल सुराणा, श्रीमती सुधा जैन, भंवरलाल मूंधड़ा, चन्द्रकुमार जैन, बंशीधर शर्मा, गिरिधर राय, सत्येन्द्र सिंह अटल, श्रीराम सोनी, संजय रस्तोगी, मनोज काकड़ा, आशीष चतुर्वेदी एवं नारायण दास व्यास चुने गए।

माँ लक्ष्मी का आगमन और रूष्ट होना!

क्या कॉक-टेल पार्टी से व्यापार की प्रगति होती है?

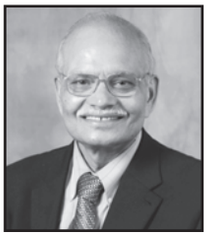

– डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया

मारवाड़ी समाज अपनी सादगी, ईमानदारी, नम्रता, सामंजस्य, व्यावहारिक और व्यापारिक कुशलता, तीक्ष्ण बुद्धि, ईश्वर में आस्था, सेवा की भावना जोखिम उठाने की क्षमता और भगवान नारायण और लक्ष्मीजी पर विश्वास के कारण पूरे संसार में फैल गये। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना १९३५ में 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति' और संगठन के लिये की गयी। समाज संस्कार की प्रेरणा करता रहे।

हम राजस्थान से खाली हाथ और खाली पेट आये। परिवार को देश में छोड़ दिया। नौकरी की। काम किया। दलाली की। कंधों पर रख कर कपड़े बेचे। छोटे-छोटे व्यापार करने में कभी किसी प्रकार का शर्म नहीं किया। कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाये। अपने समाज के गुणों का ही श्रृंगार किया। बढ़ते-बढ़ते छोटा व्यापार बड़ा हो गया। अब बेटे बड़े हो गये, पोता-पोती हो गये। उनके विवाह हो गये। पोता संस्कार में कुछ दिन रहा। फिर व्यापार की प्रगति के लिये होटल, क्लब जाने लगा। कहा गया - एक दो पेग पीने से कुछ नहीं होता। शायद दिल के लिए ठीक होता है। चालू हो गया पीना। स्वाद मिल गया। फिर क्या था, पैसे की कमी नहीं। बिल का भुगतान की तंगी नहीं। ऑफिसर का महीना तो निर्धारित होता है। पेग बढ़ते रहता है।

पिताजी कहते रहे, बेटा देर से मत आओ। एक पेग भी ठीक नहीं है। एक रसगुल्ला खाओ तो २-३ भी खा लेते हो। शायद १० रसगुल्ला खा लो अगर पेट जवाब न दे तो। बेटा लक्ष्मण रेखा मत पार करो। कौन सुनता है? धीरे-धीरे घर में बार खुल गया। छोटा या बड़ा फ्लैट है, अगर घर में बार नहीं तो वह आधुनिक नहीं है, घर में पीने लगे साहब। माँ-बाप देखते रहे। छोटे बच्चे भी समझ रहे थे, सोच रहे थे, हम भी बड़े होंगे तो मजा लेंगे। शायद छुपकर स्वाद भी लेते होंगे। अब तो बच्चों का विवाह है। मेरे पिताजी तो सुधा सूखा विवाह किया। मैं तो सुरा का भी अलग से इंतजाम करूँगा। कुछ लोग होंगे। ऑफिसर और आधुनिक लोगों के लिये तो सुरा रखना ही पड़ता है। अगर नहीं रखें तो आयेंगे नहीं। देवता भी तो सुरा पीते थे। पिताजी-इसलिये उनको अहं हो जाता है। बुद्धि नष्ट हो जाती है। इंद्रासन खो देते हैं। असुरों का इंद्रासन पर कब्जा हो जाता है। भगवान नारायण को भूल जाते हैं। दर-दर ठोकर खाते हैं। दुःख आता है तो नारायण को याद करते हैं। नारायण दयालु हैं। फिर उनको अपनी बुद्धि से राज्य दिलाते हैं। संत कबीर जी कहते हैं, दुख में सुमिरण सब करो तो दुख काहे को होय। बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। पितर - भगवान श्री गणेश जी की पूजा होती है। लक्ष्मी का आगमन होता है। बहू तो लक्ष्मी की सूचक है। मैं मारवाड़ी सम्मेलन में सदस्य हूँ। मैं क्या जवाब दूँगा? वर्षो पहले जाकर दिखावा, आडम्बर, फिजूलखर्च के खिलाफ आंदोलन करते थे। अभी सदस्यों की माँग से युवकों की एक सेना तैयार की गई। बुजुर्ग लोग भी ऐसे शादी-विवाह में नहीं जायेंगे। अभी ये पाँच-सितारा होटल, क्लब आदि सब अमीरों को फँसाने का एक जाल है। यहाँ नशे की दवा, ड्रग्स, ड्रिंक आदि सभी प्रकार के वस्तुएँ मिलती हैं। यहाँ तक कि लोगों को यहाँ कोकीन की इंजेक्शन भी बहुत आसानी से प्राप्त हो जाती है। और लोग इसके आदी हो जाते हैं। जिससे संस्कार भी खत्म होने लगता है। मैंने काफी मेहनत की है। मेरे बेटे और बहू काफी मेहनती हैं। क्या मैंने कम की है? विशेष तरीके से, बुद्धि से व्यापार को बढ़ाया है।

छोटे-छोटे परिवारों में चोरों की तरह सुरा पाटी होती है। और दिन पर दिन यह हावी होने लगती है। जिससे मेहनत कम होने लगती है। ईमानदारी में भी कमी आने लगती है। मैंनेजर सभी कार्यों को देखने लगता है। धीरे-धीरे व्यापार का ह्रास होने लगता है। अच्छे मैंनेजर काम छोड़कर दूसरे काम पकड़ लेते हैं। और जगह खाली हो जाता है। साहब को तो काम आता ही नहीं है।

पिताजी-माताजी कहते हैं - हे माँ लक्ष्मी, आप क्यों आई थी? आयीं थी तो इतना तो आती जिससे परिवार हँसी-खुशी रहता और तुम्हारी आराधना करता। अब हाथ तो मत फैलाने देना। तुम्हारी कृपा बनी रहे। माँ लक्ष्मी और प्रभु नारायण का चमत्कार चलता रहे।

जीवन में आनंद से रहने के लिये सुरा और बुरी संगत से दूर-सादगी से रहें और मानवता की सेवा करते रहें। परमहंस भगवान रामकृष्ण जी कहते हैं, जीव-सेवा ही शिव सेवा है। कभी किसी वस्तु का अभाव नहीं होता है। मनुष्य निडर रहता है।

(लेखक सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।)

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular/Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

समाज का उल्टा रथ

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

"मैंने बहुत बड़ी गलती की है। कभी-कभी बाप अपने प्यार में गलतियाँ कर देता है। मैंने भी की है, क्या कोई बाप नहीं करता? बहुत से लोग करते हैं, शायद इतनी बड़ी गलती नहीं करते हों। हमने बहुत बड़ी गलती की है। उसका भुगतान तो हमें ही करना होगा। माँ-बाप को बहुत सोच कर, अपना भविष्य देखकर, अपने बच्चों को देना चाहिये। प्रेम के लिए देते हैं बड़ी अच्छी बात है लेकिन अपना ख्याल रख के दीजिये। नहीं तो उल्टा भी हो सकता है।" ये बातें कहीं कभी दस हजार करोड़ की कंपनी रेमंड के मालिक रहे श्री विजयपत सिंघानिया ने।

कुछ वर्ष पहले रेमंड कंपनी के ३८ प्रतिशत शेयर अपने बेटे के नाम कर दिये। जेके फाइल्स, रेमंड यूको, डेनिम पार्क, पार्क एवेन्यू के अपने शेयर भी बेटे को दे दिये। श्री विजयपत सिंघानिया अभी दक्षिण मुंबई के एक सोसाइटी में किराये के फ्लैट में रह रहे हैं। इतनी बड़ी संपति पाने के बाद उनका बेटा अब उनका खर्चा भी नहीं उठाता। उनका कहना है मेरी जितनी भी कंपनियाँ थी, सब नालायक पुत्र को गिफ्ट कर चुका हूँ। अब वह मालिक है।

ये सब बातें श्री सिंघानिया एक टीवी साक्षात्कार में बोल रहे थे। उनकी पीड़ा उनके शब्दों में साफ झलक रही थी। अक्सर कहा जाता है कि अनाथाश्रम में गरीबों के बच्चे पलते हैं एवं वृद्धाश्रम में अमीरों के माँ-बाप रहते हैं।

उनके सुपुत्र श्री गौतम सिंघानिया ने अपने वक्तव्य में इस घटना पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा है कि यह सब मीडिआ द्वारा किया जा रहा नाटक है। श्री सिंघानिया, जो कि अब रेमंड के मालिक है, ने कहा कि मेरा रेमंड के कार्यवाही निर्देशक एवं पुत्र दो अलग-अलग रोल है। वह फरमाते हैं कि उनके पिता सारी सम्पत्ति उनके नाम नहीं करते तो किसके नाम करते? इसमें कौन सी बड़ी बात है?

इस तरह के वक्तव्य यह दर्शाते हैं कि जहाँ पर व्यवसाय का दायित्व आता हो, वहाँ पर माता-पिता के प्रति दायित्व को तिलांजलि दी जा सकती है। यह आज की तथाकथित प्रगतिशील मानसिकता है। इस मानसिकता में संवेदनाएँ पूरी तरह से लुप्त हो गई हैं। एक व्यक्ति अपने माता-पिता के प्रति अपने दायित्व को नहीं निभाने का कारण कंपनी के ३५ हजार कर्मचारियों के प्रति दायित्व बताता है। इस संदर्भ में मुझे महाभारत की वह बात याद आती है, जब युधिष्ठिर से यक्ष ने पूछा था कि पृथ्वी से क्या भारी है और आकाश से क्या ऊँचा है। युधिष्ठिर ने उत्तर दिया, "मातागुरुतराभूमेः खात् पितोच्च तरस्तथा" (महाभारत अनुशासन पर्व ३/३/६०)। अर्थात, माता का भार पृथ्वी से भी अधिक है और पिता आकाश से भी ऊँचा है। इस प्रकार के दोहरे दायित्व में माता-पिता के प्रति दायित्व को नजरअंदाज कर देना समाज में तेजी से फैलती रुग्ण मानसिकता का उदाहरण है।

इस तरह की घटना अब नई नहीं रह गयी है। अक्सर वृद्ध माँ-बाप को कहते सुना जाता है कि बच्चे उनकी मानते नहीं है। उनकी सुनते नहीं है। यह एक ऐसी सच्चाई है जिस पर विश्वास करना अत्यंत ही कष्टप्रद है। श्रवणकुमार के देश में माँ-बापों की यह स्थिति हमें सोचने को बाध्य कर देती है। ऐसा होने के पीछे कारण क्या है? एक तरफ तो हम कहते हैं हमारे युवा अत्यंत ही बुद्धिमान हैं, अत्यंत ही प्रगतिशील, शिक्षित हैं। तो क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी एवं सांस्कारिक ज्ञान का पाठ नहीं पढ़ाया जाता है?

हमारे युवा अब विदेशी अर्थशास्त्र का ज्ञान प्राप्त कर अर्थ-उपार्जन को ही अपने जीवन का लक्ष्य मानकर चल रहे हैं। सफलता का मापदंड हो गया है कि किसके पास कितना पैसा है। धन के लिए कहा जाने लगा है कि तू नहीं तो तेरे बिना जिंदगी बेकार है।

ऐसी चीजें जो पैसे से खरीदी नहीं जा सकती, उनका अंगीकरण शनैः-शनैः खतरे में पड़ रहा है। ये चीजे हैं - प्रेम, धैर्य, मित्रता, सम्मान, समय, परिवार, शांति, चरित्र, ईमानदारी, विश्वास, करुणा, ज्ञान, दया, सत्य एवं संस्कार। जरा शांति से सोचिये। क्या इनका कोई अस्तित्व बाकी रहा है? स्वार्थ एवं अहम ही जीवन को संचालित करने के आकाशदीप बन गये हैं। सत्य ही कहा गया है – जहाँ अनाज का अभाव होता है, वहाँ मानव मरता है पर जहाँ संस्कार का अभाव होता है, मानवता मरती है। क्या मानवता का लोप हो रहा है? वसुधैव कुटुम्बकम् एवं सर्वे संतु सुखिनः का पाठ पढ़ाने वाले देश में माता-पिता को न तो कुटुम्ब माना जाता है एवं न ही उनके सुख का ख्याल रखा जा रहा है। हमें ये नहीं भूलना चाहिये की –

बुजुर्ग वह चिराग हैं जो अंधेरो में रास्ता दिखाते हैं।
तुम्हारी सलामती के लिये रोज दुआएं मनाते हैं।
जो लोग इन्हें बोझ समझकर घर से निकाल देते हैं,
वह लोग उम्र भर फिर दुआओं के लिये तरस जाते हैं।

इस तरह की घटनाएँ बढ़ रही हैं, कहाँ तक जायेंगी, सोचकर सिहरन होती है। परिवार में दादा, दादी, नाना, नानी एक उच्चतम स्थान एवं उपयोगिता रखते थे। दादी की कहानियाँ, नानी की कहानियाँ सुनकर बच्चे बड़े होते थे, संस्कारित होते थे। आज के बच्चों को स्मार्ट फोन, टेलिविजन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से फुर्सत नहीं। अब घर में छोटे-छोटे बच्चों को घर के बड़े-बूढ़ों के पास समय बिताने की फुरसत नहीं है। ये बच्चे जब बड़े होंगे तो किस प्रकार की इनकी सोच होगी, यह हम सोच समझ सकते हैं। अगर माँ-बाप को अपने अंतिम काल में अपने जीवन-यापन के लिए संघर्ष करना पड़े, एकाकी जीवन जीना पड़े तो ऐसी समाज-व्यवस्था का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो श्री सिंघानिया के शब्दों में 'उल्टा भी हो सकता है।' यह उल्टा होना सिर्फ एक माँ-बाप पर नहीं लागू होता। हमारी पूरी समाज व्यवस्था ही उल्टी हो रही है। समाज उल्टा चल रहा है। इसकी परिणति घातक है। ★ ★ ★

कविता

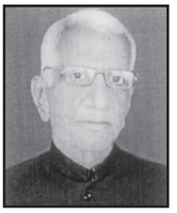

झीणी-झीणी राग-रागण्या
बाजे मन रा एक तारा
आ दुनिया तो आणी-जाणी
इन सराय सगळा बिणजारा।
मुखर बणें जद मूक वेदना
शब्द बणें साथी कंठां रा
काल पृष्ठ पर मंडै कीरत्यां
नव सिरजन हुळसे जग सारा।
जीवन तो बस क्षण भंगुर है
जूब करे पूरी सारा
बीतराग री जूण जातरा
मत बैरागी बन प्यारा।
दरद समेट्यां खुशियां बांटूं
किण नें घाव दिखाऊं म्हारा
जलन सांच है - मोत अटल है
पण हर पल कामण गारा।
आ दुनिया तो आणी जाणी
इन सराय सगळा बिण जारा।

तार-तार कर दीन्ही चदरिया

बरसां पहली एक कबीरो
झीणी-झीणी बुणी चदरिया
मन कलपै है आज कमीणा
तार-तार कर दिन्ही चदरिया।
कागळ सी काळी रातां में
गोला फाड़ी बीच बजरिया
एक ईमान - हजारूं कारी
पेबन्दां सूं सटी चदरिया।
धाया सांड मदारी किरतब
भीड़ में भटकी सारी नगरिया
कठै गया दरदां रा रिस्ता
बात-बात में छीनी चदरिया।
असल अढै कंगाल है सारा
कंगला बैठ्या ऊंची अटरियां
सगळो एकण भाव बिकै है
चौपट राज अंधारी नगरिया।
बातां चाली बेरो पड़गो
बातां - बातां बीती उमरियां
लगा अडंगो बात - बात में
ठाली बातां बुंणी चदरिया।
आखी अमर घटावां उमड़ी
बिन बरस्यां ही जाय बदरिया
सपन सजायां सोन - चिड़कली
टूटै छांया भरी दुपरिया।
मन कळपै है आज कमीणा
तार - तार कर दीन्ही चदरिया।

तूं कद मस्त फकीर?

जलम लियो जद सूं इब ताणी
पीट्यां गयो लकीर
उळभ-यो फिर्‌यो अडंगा मांही
तूं कद मस्त फकीर?
कूं-कूं पगल्या मांड्या जद सूं
इन धरती के काम कर्‌यो
मंगळ गीतां सूं हरजस तक
बदळी नहीं तसबीर।
सोने - सिरखी साख सलूजी
पण रूळरी है ऊंणी-पूंणी
पाखव्यां रे इस्यै राज में
कठै सांच रो सीर।
सत्ता री चौपड़ पै सकुनि
कुटलाई रा पासा फीकें
पत्त री पांचाली रो नित्त की
हची दुसासन जरे।
सूत कातती यादां सागे
अैडा-बट्‌टी - आड़ा-तेड़ा
सुख सुपना मोत्याँ सूं मंहगा
कद बंधे काळजै धीर।
कठै राज अर कठै नीति है
झूंठ जमावै पांव धणेश
लोक तन्त्र री रावण नगरी
गई फूट तकदीर।
बता मन तूं कद मस्त फकीर...

– डॉ. एस. आर. टेलर
अम्बिका टेलर्स
न्याना बाजार
लक्ष्मणगढ़, सीकर

महान औरत का घर

अब भी व्याप्त हो
घर के कण-कण में
ऐसे
जैसे व्याप्त है हवा
फैली है चतुर्दिक
तुम्हारी स्मृतियों की भीनी सुगंध
जैसे फैली है उजास।
वातावरण में
सदैव गूँजती रहती है एक गुनगुनाहट
चहुँ ओर –
यहाँ रही वह महान औरत
अपना काम किया और
संसार से विदा हो गयी
बिना किसी को बताए

सामने के सोफे पर विराजमान
दिन भर भगवान को भजती रहती
बच्चों को याद करती
वह संसार में आई केवल लोगों का भला करने
याद करते-करते उन्हें भुला दिया

अलमारियों में भरे अपने भंडार को
छोड़ गई बिना कुछ किए
कमरे में जहाँ सोती थी, वह बिछौना
याद करता है चौबीस घन्टे और
सुस्ती में याद कर रोता रहता है

पुच्छल तारे की उड़ान थीं तुम
अपना अन्त अपने हाथ में
क्यों रखा था तुमने
क्या केवल लोगों को रुलाने के लिए

वह कितनी सौभाग्यशालिनी थी
न अस्तपाल गई
न किसी की सेवा ली
न सिरहाने तुम्हारे शब्द सुनने कोई था
जैसे कि उसे ऐसा जीवन दिया गया हो
जिसका फिर से इस्तेमाल हो सकता है

अपने बगीचे में जो पेड़ लगाए उसने
वे अब भी उसके लिए फल लगाते हैं
सिर्फ बेटियों को सिखाने
कभी अकेले मत खाओ सबको बाँटो
जिन्दगी में औरों को देना सीखो
मुस्कराओ औरों की मुस्कराहट देखने के लिए
जियो सबको जीवन देने के लिए

औरो से सुना है
तुम्हारा उनके लिए प्यार
हम पाँचों नहीं चाहते वो तुम्हें भूलें
और लोग सीखें युग-युग जीना
समाज ने दिया है यह हार कर
समाज को वापस देना ही जीवन है

आज लोग आते है तुम्हारे घर
ठिठक जाते हैं उनके पाँव
क्योंकि तुम नहीं हो वहाँ

तुम्हारी याद उन्हें रुलाती है
विह्वल कर देती है उन्हें

यादों की छाप इतनी गहरी है कि
भुलाई नहीं जाती
फिर-फिर चली आती है दबे कदमों से
चुपके से
और छा जाती है स्मृतियों में
तुम्हारी छवि बनकर
यही तुम्हारी कहानी है।

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ
(स्वर्गीय पत्नी श्रीमती कान्ता सर्राफ की स्मृति में रचित)

सही शिक्षा

महात्मा ज्योतिबा फुले एक महान समाज-सुधारक और निर्भीक व्यक्ति थे। उन्होंने न केवल अपनी पत्नी सावित्रीबाई को पढ़ाया-लिखाया अपितु स्त्रियों के लिए पाठशाला भी खोली। समाज के कुछ लोगों को यह स्वीकार नहीं था। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले की हत्या करने के लिए कुछ लोगों को तैयार कर लिया। दो व्यक्ति महात्मा ज्योतिबा फुले की हत्या के उद्देश्य से उनके घर पहुँचे। महात्मा ज्योतिबा फुले के ये पूछने पर कि उनकी उससे कोई दुश्मनी नहीं है फिर भी वे क्यों उनकी जान लेना चाहते है तो हत्यारों ने बताया कि वो ये सब पैसे के लिए कर रहे हैं। तब महात्मा फुले ने पत्नी को कहा, "सावित्री मेरे मरने के बाद भी शिक्षा और समाज सुधार का काम जारी रखना।" उसके बाद हत्यारों से पूछा, "आपके बच्चे पाठशाला जाते होंगे? यदि नहीं जाते तो कल ही पाठशाला में उनका नाम लिखवा देना ताकि बड़े होने पर वे कोई सही काम-धंधा कर सकें और पैसे के लिए किसी की हत्या करने की नौबत न आए।" ज्योतिबा की बातों से उनका मन ही बदल गया। हत्या तो दूर वे उनके शिष्य बन गए। एक तो बाद में पढ़-लिख कर वेद-शास्त्रों का प्रकांड पंडित बन गया।

प्रेषक – श्री सीताराम गुप्ता

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

Yours Tastefully
Anmol
Enjoy the fresh baked goodness
Butter Bake
2 in 1
Little Sweet
Little Salty
dream LITE
Lemon MAZAA
Marie Plus
Butter Bake
www.anmolindustries.com
Follow us on:

AUM CAPITAL

YOUR TRUST IS OUR WEALTH

21 YEARS OF SERVICE

No. 1 Financial Services Provider in Eastern India*

No. 1 in Wealth Management

No. 1 in Buyer's Credit

No. 1 in Bond Trading

Products and Services

Advisory Services

- Wealth Management
- Mutual Fund
- PSU Taxable and Tax free Bonds
- Equity & Debt IPO

Debt Syndication Services

- Trade Finance
  Buyers/Suppliers Credit
- Structure Finance
  Loan against property, shares, bonds
- Equipment Finance
- Project & Working Capital Finance
- Commercial Paper

Broking & Trading Services

- Equity-NSE, BSE
- Currency-NSE, BSE, MCX-SX
- Commodity-MCX
  (through AUM Commodity Services Pvt. Ltd.)
- Insurance Broking
  (through AUM Bima Suraksha Broking Pvt. Ltd.)
- Real Estate Broking
- Physical Commodity Broking

**Amongst Kolkata based companies.*

www.aumcap.com

Trinity Building, Unit - 6, 6th Floor, 226/1, A.J.C. Bose Road, Kolkata - 700020 • P : +91 33 3058 8405

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री रवि मोदी
मे. वेदांत फैशन्स प्रा. लि.
परिधान गारमेन्ट पार्क
एस. डी. एफ-१, चौथा तल, ४५०१
कोलकाता - ७०००१५
मो : ९८३१७९८१६१

श्री नरेन्द्र कुमार जैन
मे. अभिनंदन स्टॉक ब्रोकिंग प्रा. लि.
९५, शरत बोस रोड, हाजरा
कालीघाट, कोलकाता - ७०००२९
मो : ९८३१०८३१४०

श्री सुभाष चन्द्रा सराफ
मे. सराफ एण्ड चन्द्रा
५०१, अशोका हाउस
३ए, हेयर स्ट्रीट, पाँचवा तल
कोलकाता - ७००००१
मो : ९८३१०८७५७९

श्री महेश कुमार अग्रवाल
मे. शान्ति काट्स्यार्न प्रा. लि.
१८८, जमुना लाल बजाज स्ट्रीट
कोलकाता - ७००००७
मो : ९८३००३२२६६

श्री प्रदीप कुमार देवड़ा
४२, आयरन साइड रोड
कोलकाता - ७०००१९
मो : ९८३०२१८८५१

श्री हरि किशन राठी
मे. पिको एपैरियल्स प्रा. लि.
८८, जैशोर रोड
भारत सेवा आश्रम के नजदीक,
कोलकाता - ७०००८९
मो : ०३३-४००७५८२९

श्री अभिषेक मोरे
मे. श्री महावीर इण्डस्ट्रीज
१०३, सोवाबाजार स्ट्रीट
कोलकाता - ७००००५
मो : ९८३१०१५६४९

श्री बिमल दीवान
मे. दीवान सन्स ज्वेलर्स प्रा. लि.
१०१, पार्क स्ट्रीट, पाँचवा तल
कोलकाता - ७००००१६
मो : ९८३११७२३२४

श्री अरूण दीवान
मे. दीवान हेरिटेज
१०१, पार्क स्ट्रीट, ग्राउण्ड फ्लोर
कोलकाता - ७००००१६
मो : ९८३१०५२२२५

संरक्षक सदस्य

श्री भगवती प्रसाद भुवालका
मे. हिन्दुस्तान स्टोर्स सप्लायिंग कं.
मेन रोड, राँची - ८३४००१
झारखण्ड
मो: ९९३९४४२१७०

श्री चन्द्रेश बजाज
द्वितीय तल, राम गार्डेन
कांके रोड, राँची - ८३४००८
झारखण्ड
मो : ९४३१७७३३३३

श्री पवन बजाज
द्वितीय तल, श्रीराम गार्डेन
कांके रोड, राँची - ८३४००८
झारखण्ड
मो : ९४३११७०४०३

श्री शम्भु कुमार जैन
हट्टी बाजार
गिरीडीह, सी. एल. हाउस-८१५३०१
झारखण्ड
मो : ९९३४३७५४११

डॉ. राम रतन केडिया
हर्ष प्लाजा, कोर्ट रोड
बरगदा, गिरीडीह - ८१५३०१
झारखण्ड
मो : ९४३११४४२०८

श्री अरविन्द राजगढ़िया
मे. सीताराम राजगढ़िया
टुंडी रोड, गिरीडीह - ८१५३०१
झारखण्ड
मो : ९४३११४४०२०

श्री राजेन्द्र भरतीया
बारगुदा रोड
गिरीडीह - ८१५३०१
झारखण्ड
मो : ९४३११४४७३७

श्री अशोक कुमार जालान/जैन
सागर निवास
मकटपूर, गिरीडीह - ८१५३०१
झारखण्ड
मो : ९४३११४४३४३

श्री पंकज कुमार
मे. शिवम इंटरप्राईजेज
२एम/६०, एम.जी. नगर
कंकणवाग, पटना - ८०००२६
विहार
मो : ९८३५२६५३६१

श्री गोवर्धन दास जालान
मे. अनिमेष सिल्क मिल्स
किन्नरी सिनेमा के नजदीक
रिंग रोड - ३९५००३, सुरत,
गुजरात
मो : ९८२५१२४७१४

श्री आनंद कुमार जालान
मे. अनिमेष सिल्क मिल्स
अनिमेष हाउस, किन्नरी सिनेमा के
नजदीक, रिंग रोड - ३९५००३,
सूरत, गुजरात
मो : ९८२५११०३७०

श्री सुनिल कुमार गुप्ता
ए-७०१, ओपेरा हाउस, एन. आर.
अग्रसेन भवन, सिटी लाईट रोड,
सूरत-३९५००७, गुजरात
मो : ९३७४७२६६९३

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

संरक्षक सदस्य

श्री अर्जुन दास अग्रवाल
८०५, त्रिवीध चैम्बर
फायर ब्रिगेड के सामने
रिंग रोड-३९५००२, सूरत, गुजरात
मो : ९८२५२१३३१४

श्री अनिल कुमार गुप्ता
बी-५, पाँचवा तल, रत्न विराट
अपार्टमेन्ट, गायत्री टेम्पल के पिछे
न्यु सिटी लाईट, सूरत-३९५००७
गुजरात, मो : ९३७४७१४५७५

श्री हरि प्रकाश कानोड़िया
ए-८१-८२, इंडिया टेक्सटाईल
मार्केट, रिंग रोड - ३९५००२
सूरत, गुजरात
मो : ९८२४१९८६५५

श्री सुभाष कुमार अग्रवाल
११/ए, सुर्या पैलेश, पोद्दार एवेन्यु
के नजदीक, अपो - जोगर्स पार्क
धुड़दौड़ रोड - ३९५००१, सूरत
गुजरात, मो: ९८२५११२१७१

श्री अनिल अग्रवाल
मे. यशोदा फैशन, बी-२०१०, आर.
के.एल.पी, भारत कैंसर हास्पीटल के
नजदीक, सरोली–३९५०१०, सूरत
गुजरात, मो : ९८२५१५०३७७

श्री अमित अग्रवाल
मे. कावेरी ट्रेड यू.एन.के.
बी-२०१०, राधा कृष्ण लॉजिस्टिक
पार्क, भारत हास्पीटल के नजदीक
सरोली - ३९५०१०, सूरत, गुजरात
मो: ९७१२४७००००

श्री विनोद कुमार पालीवाल
२४२० एण्ड २४२२, जी.आई.डी.
सी. रोड नं.- ०२
सचिन, सूरत-३९४२३०, गुजरात
मो : ९८२४१२४०००

श्री महेश कुमार कुन्दनलाल अग्रवाल
मे. रघुपति फैशंस,
एल-१२३१, सुरत टेक्सटाईल मार्केटिंग
रिंग रोड, सूरत - ३९५००२,गुजरात
मो : ९९७८०३३३००

श्री राजकुमार तुलस्यान
३०, संगम सोसाइटी, सिटी लाईट
रोड, नुपूर हास्पीटल के पिछे
सूरत - ३९५००७, गुजरात
मो : ९६२४१०७०००

श्री प्रकाश एम मोरे
जी-७१७, आशिर्वाद पार्क
सिटी लाईट रोड
सूरत - ३९५००७, गुजरात
मो: ९९२५०२४४७१

श्री नटवर हरलालका
मे. जय अम्बे फिलामेन्ट प्रा. लि.
बी-११५, एल. वी. अपार्टमेन्ट
रिंग रोड - ३९५००२, सूरत, गुजरात
मो : ९८२५११४०६

श्री शशीकान्त आर. नांगलिया
एस-६३५, आशिर्वाद पैलेश
भट्टर रोड - ३९५००१, सूरत
गुजरात
मो : ९८२४१२५३२०

श्री सुरेन्द्र एन. नांगलिया
मे. श्री राणीसती प्रोसेसर प्रा. लि.
फ्लाट नं.-८८, जी.आई.डी.सी.
पंडेसरा-३९४२२१, सूरत
गुजरात
मो : ९८२४१११४४६

श्री जय प्रकाश सोनी
डॉ. मनसुखभाई टावर
(डी. एन. ज्वेलर्स)
अठवाँ लाईस-३९५००१, सूरत
गुजरात
मो : ९८२५०३६१३०

श्री घनश्याम दास शर्मा
मे. शिव शक्ति स्वीट्स एण्ड सनैक्स
गोपी मर्चेन्ट, रिंग रोड-३०५००२
सूरत, गुजरात
मो : ९८२५११४२८९

श्री मनोज बंसल डोहाकवाला
मे. प्रमोद फैब्रिक्स
शॉप नं-८, राधा मार्केट,
सालासार गेट के नजदीक,
रिंग रोड- ३९५००२, सूरत,गुजरात
मो : ९३२७३४२८३७

श्री राम प्रकाश बेरिया
मे. प्रतिक प्रोसेसर्स प्रा. लि.
५२२, जी.आई.डी.सी,
पंडेसरा-२८९३६०८
सूरत, गुजरात
मो : ९३७४५६६६४७

श्री राजेश गोयल
६०४, त्रिविध चैम्बर्स
अपो - फायर ब्रिगेड स्टेशन
रिंग रोड - ३९५००२, सूरत,
गुजरात, मो : ८१४१०८०००००

श्री परमेश गोयल
६०४, त्रिविध चैम्बर्स
अपो - फायर ब्रिगेड स्टेशन
रिंग रोड - ३९५००२, सूरत
गुजरात

श्री सुभाष चंद अग्रवाल
२०७, सागर शॉपिंग सेन्टर
सहारा दरवाजा, रिंग रोड-३९५००१
सूरत, गुजरात
मो : ९८२५३६६६२७

सम्मेलन के सदस्य बनें एवं बनायें

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री बाल कृष्ण मावंडीया रामेश्वर नारायण अग्रवाल रोड चुनीहारी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री मोहन कुमार टिबड़ेवाल** मे. आर. एस. इंटरप्राईजेज डिक्सन रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री नंद किशोर अग्रवाल** पंजाब नेशनल बैंक भागलपुर, बिहार	**श्री ओम प्रकाश शर्मा** राम गंगा ट्रांसपोर्ट सहरसा, बिहार	**श्री पंकज कुमार** मे. कामधेनु स्टेशनरी सहरसा, बिहार
श्री सचिन तुलस्यान मे. सचिन हार्डबेयर सहरसा, बिहार	**श्री गोपाल शंकर शक्त** टैक्स फ्री जोन सहरसा, बिहार	**श्री नरेश कुमार दहलान** मे. कृष्णा क्लाथ, दहलान चौक, सहरसा, बिहार	**श्री अजीत कुमार डोकानिया** मे. शिव शक्ति मेडीकल एजेन्सी सहरसा, बिहार	**श्री आनन्द चेतन** द्वारा– वैराईटी डी.बी. रोड सहरसा, बिहार
श्री कृष्णा लाल सेक्सरीया मे. कृष्णा ड्रेसेस, डी.बी.रोड सहरसा, बिहार	**श्री मनोहर लाल बगेड़िया** मे. जयश्री आयरन स्टोर्स मीरा सिनेमा रोड सहरसा, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल** मे. गौरी शंकर भण्डार सब्जी मार्केट, सहरसा, बिहार	**श्री रवि कुमार जालान** बी/१८, औधौगिक प्रांगण सहरसा, बिहार	**श्री बिनोद कुमार परसुरामपुरिया** मे. कलकत्ता क्लॉथ स्टोर्स सहरसा, बिहार
श्री संजय तुल्सयान मे. तुल्सयान ब्रदर्स सहरसा, बिहार	**श्री संजीव संघाई** मे. बालाजी मेडीकल एजेन्सी सहरसा, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मे. श्याम ट्रेडर्स सहरसा, बिहार	**श्री विजय कुमार मस्करा** मे. जय करण दास विश्वेश्वरलाल सहरसा, बिहार	**श्री कुमार राजीव शर्मा** मे. आर.डी. ट्रेडिंग सहरसा, बिहार
श्री अंचल टेकरीवाल पूरब बाजार, वी.आई.पी. रोड सहरसा, बिहार	**श्री बजरंग केजरीवाल** द्वारा - हरियाणा ट्रांसपोर्ट सहरसा, बिहार	**श्री मुकेश कुमार मोदी** रुम नं.-६सी, राजेन्द्र नगर मकान नं.-१५, पटना, बिहार	**श्री नारायण प्रसाद शर्मा** मे. प्राची एजेन्सी बकरगंज, पटना, बिहार	**श्री सज्जन कुमार टिबड़ेवाल** मे. नवीन साड़ी सेन्टर मधूबनी, बिहार
श्री मनोहर लाल केजरीवाल बालूघाट मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री सुन्दर लाल जैन** मे. भारत बूट हाउस केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मोहन लाल अग्रवाल** सावित्री केन्स, अम्बा जी माडर्न के नजदीक कालाहांडी, ओडिशा	**श्री आनंद अग्रवाल** मे. सलोनी एजेन्सी, केसिंगा कालाहांडी, ओडिशा	**श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** मे. राहुल बेवरेजेज, केसिंगा कालाहांडी, ओडिशा
श्री सजन कुमार अग्रवाल बी. के. फूड, केसिंगा कालाहांडी, ओडिशा	**श्री ललित कुमार शर्मा** मे. हरि ओम ट्रेडर्स, केसिंगा कालाहांडी, ओडिशा	**श्री भरत कुमार बंसल** द्वारा - रामचन्द्र बंसल केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल** मे. पायल क्लाथ स्टोर्स केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री जीतमल जैन** मे. जनता राईस मिल केसिंगा, कालाहांडी, आडिशा
श्री प्रवीण कुमार जैन केसिंगा कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गिरधारीलाल टिबड़ेवाल** वार्ड नं.-४, केसिंगा कालाहांडी, ओडिशा	**श्री शंकर लाल अग्रवाल** मे. दुर्गा राईस मिल केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बेद प्रकाश जैन** मे. वैद्यनाथ इण्डस्ट्रीज केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री शान्ति लाल जैन** मे. गर्ग हार्डवेयर केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री सुन्दरलाल अग्रवाल मे. विजय मेडीकल स्टोर केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सत्यनारायण अग्रवाल** मे. जगदम्बा एग्रो. इण्डस्ट्रीज केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री कैलाश जैन** मे. महाबीर जनरल स्टोर्स केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गोविन्द अग्रवाल** केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री अरूण अग्रवाल** मे. आर. के. एग्रो केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री हीरेन्द्र कुमार अग्रवाल मे. कलिंगा राईस मिल केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री धरम चन्द्र अग्रवाल** मे. बंसल टायर्स प्रा. लि. केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल** मे. सुभाष आयरन एण्ड एग्रीकलचर इण्डस्ट्रीज केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री अनिल कुमार जैन** मे. अजीत ट्रेडिंग कं. केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री जुगल किशोर अग्रवाल** मे. पदमा एजेन्सी केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल मे. एस. के. टेक्सटाईल केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बिजय कुमार अग्रवाल** मे. श्री जगन्नाथ फूड्स केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री श्याम लाल जैन** मे. श्याम ट्रेडिंग कं.	**श्री अनिल कुमार जैन** मे. सुनिल टेक्सटाईल केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. शान्ति इलेक्ट्रोनिक्स केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री राजकुमार खण्डेलवाल केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुन्दर लाल बापोदिया** श्याम जी राईस मिल के नजदीक केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गोपाल चन्द्र जैन** वार्ड नं. - ४ केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री संतोष कुमार शर्मा** वार्ड नं-१२, मेन रोड केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री लक्ष्मण लाल जैन** मे. श्री जैन स्टोर केसिंगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री जगन प्रसाद जैन मे. गणेश स्टोर्स मुनिगुडा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री रतन लाल जैन** मुनिगुडा, रायगड़ा ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** द्वारा नारायणी स्टोर मुनिगुडा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री रामअवतार अग्रवाल** द्वारा-अमित आटोमोबाईल्स मुनिगुडा, रायगड़ा, ओडिशा	**श्री मदन मोहन जैन** मुनिगुडा, रायगड़ा, ओडिशा

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

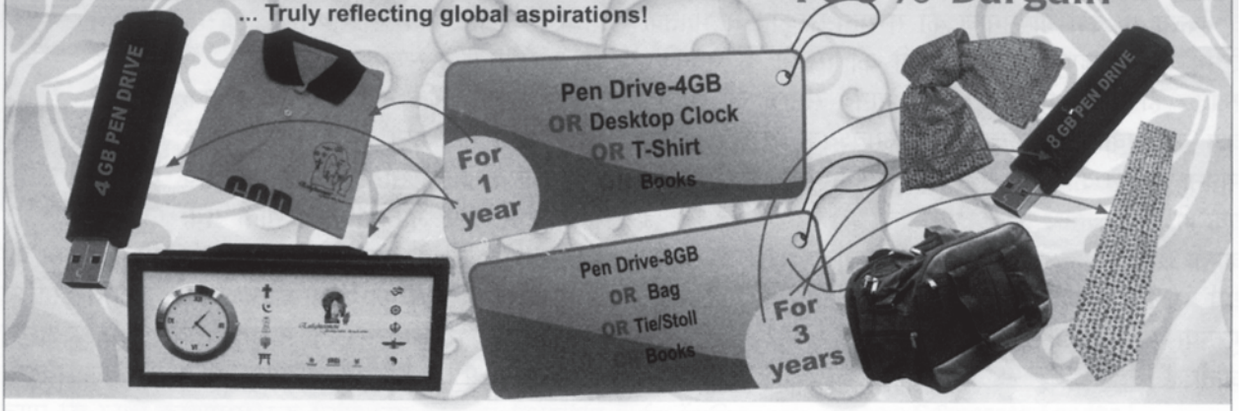

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District: _____

State: _____ Country: _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

A.T
ANU®
SAREES

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 24th August 2017
RNI Regd. No. 2866/68

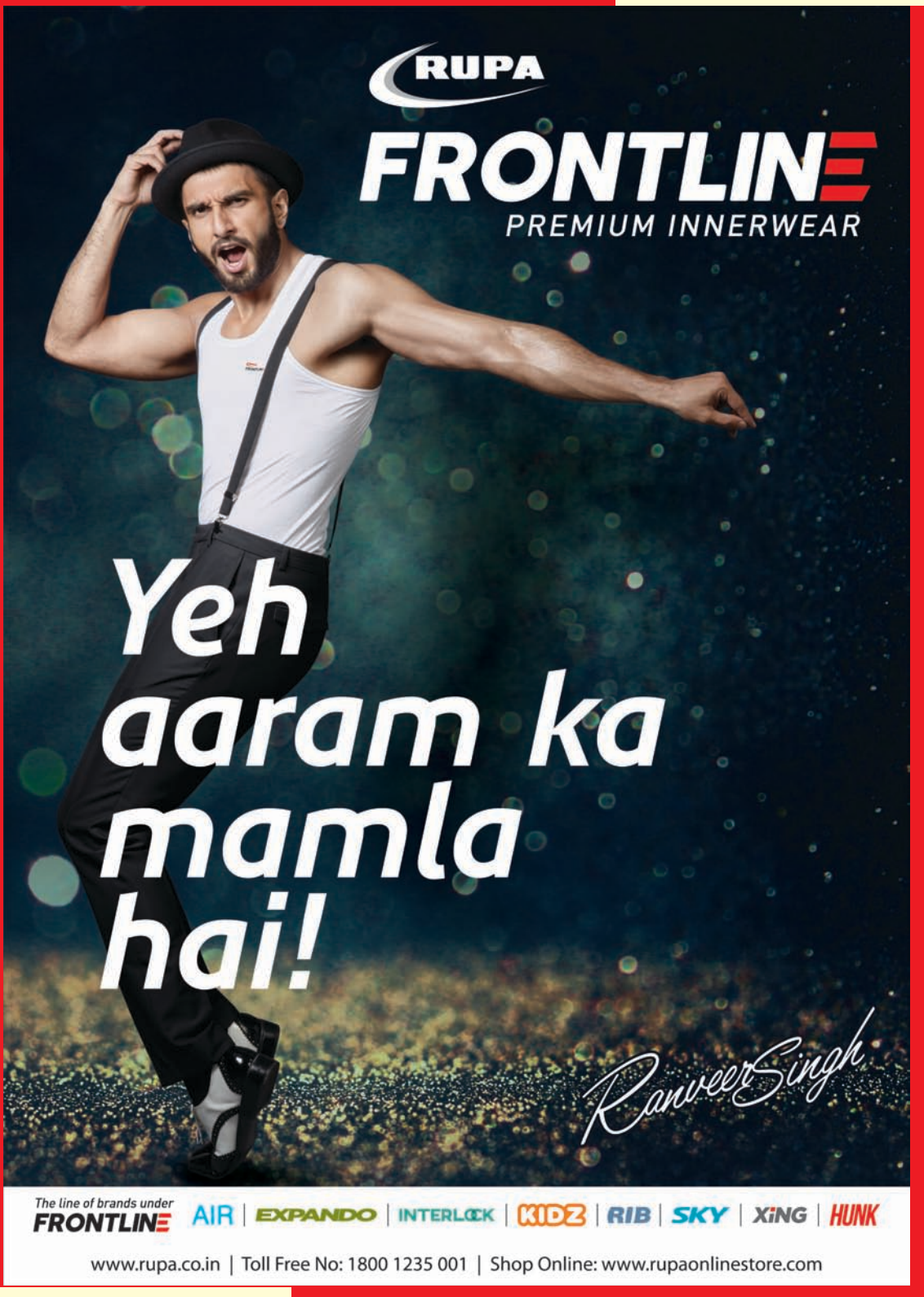

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com